



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 170] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 30, 1988/चैत्र 10, 1910  
No. 170] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 30, 1988/CHAITRA 10, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

निर्यात व्यापार नियंत्रण (सं. 1/88 ई.टी.सी.)

का. आ. 322(प्र) :- आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पण्डितानि निम्नलिखित आदेश की रचना करती है अर्थात् :-

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ - (1) इस आदेश की शीर्षक (नियंत्रण) आदेश, 1988 की संज्ञा दी जाए।

(2) यह 30 मार्च, 1988 से लागू होगा।

2. परिभाषा - इस आदेश में जब तक अगला रूप में संदर्भ की आवश्यकता न हो :-

(क) "अधिनियम" का अर्थ है आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18)

(ख) "सीमा शुल्क समझौता" का वही अर्थ है जो सीमा-शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) में दिया है।

(ग) एक प्राधिकृत अधिकारी का अर्थ है कि वह अधिकारी जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा प्राधिकृत या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात में काम न हो।

(घ) लाइसेंस का अर्थ है कि एक निर्यात लाइसेंस जो इस आदेश के तहत प्रदान किया है।

(ङ) "लाइसेंसधारी" का मतलब वह व्यक्ति है, जिसको इस आदेश के तहत लाइसेंस प्रदान किया जाता है,

(च) "लाइसेंस अधिकारी" का मतलब है वह समस्त प्राधिकारी जो इस आदेश के अन्तर्गत लाइसेंस प्रदान करता है।

(छ) "अनुसूची" का मतलब है इस आदेश की अनुसूची,

(ज) "मूल्य" का मतलब वही है जो सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 की उपधारा (1) में है।

(झ) इस आदेश में प्रयुक्त शब्द और अभिव्यक्तियों जिनकी इनमें परिभाषा नहीं दी गई है परन्तु अधिनियम में दी गई है उनके क्रमशः वही अर्थ है जो अधिनियम में दिये गए हैं।

3. कुछ मदों के नियमित पर प्रतिपक्ष—(1) इस अधिनियम में बनाया रूप से जो बिदा गया है, उसे छोड़कर कोई भी व्यक्ति अनुसूची-1 में उल्लिखित विवरणों के किसी भी भाग का नियमित नहीं करेगा, किन्तु उस माल को छोड़कर जो केंद्रीय सरकार या अनुसूची-2 में उल्लिखित अधिकार द्वारा प्रदान किए गए लाइसेंस के अंतर्गत और उनके अनुसार हो।

(2) उप अनुच्छेद (1) में किसी बात के होने हुए भी अनुसूची-3 में विनिर्दिष्ट माल का नियमित उनमें उल्लिखित शर्तों को पूरा करने पर किया जा सकता है।

(3) यदि किसी भी मामले में यह पाया गया कि नियमित किए जाने वाले माल का मूल्य, प्रकार, विनिर्दिष्टकरण, किस्म और विवरण नियमित की घोषणा के अनुसार नहीं है या ऐसे माल की किस्म और विनिर्दिष्टकरण नियमित संविदा की शर्तों के अनुसार नहीं है तो ऐसे माल का नियमित निषेध समझा जाएगा।

4. लाइसेंस की शर्तें—(1) इस आदेश के अंतर्गत प्रदान किए गए लाइसेंस में इस तरह की शर्तें हो सकती हैं जो इस अधिनियम या इस आदेश के अनुरूप न हों, परन्तु जिन्हें लाइसेंस अधिकारी उपयुक्त समझे :

(2) इसे प्रत्येक लाइसेंस के लिए एक शर्त के रूप में समझा जाएगा कि :—

(क) लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए लाइसेंस को कोई व्यक्ति हस्तान्तरित नहीं करेगा और न कोई व्यक्ति हस्तान्तरण द्वारा प्राप्त करेगा, किन्तु उस मामले को छोड़कर जिसमें उस प्राधिकारी की लिखित अनुमति मिल जाती है जिसने लाइसेंस प्रदान किया गया है।

(ख) जिस माल के नियमित के लिए लाइसेंस प्रदान किया जाता है वह माल नियमित के समय लाइसेंसधारी की सम्पत्ति होगी।

(3) इस अनुच्छेद के अंतर्गत रखा गई या रखा जाने वाली शर्तों का सभी लाइसेंसधारी पालन करेंगे।

5. लाइसेंस अस्वीकार करना :— लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंस देने में :—

(क) यदि लाइसेंस के लिए बिदा गया आवेदन-पत्र इस आदेश के किसी उपबन्ध के अनुसार नहीं है,

(ख) यदि इस प्रकार के आवेदन पत्र में किसी प्रकार का झूठा या जालसाजी करने या गुमराह करने वाला विवरण पाया जाता है,

(ग) यदि आवेदक अपने आवेदन-पत्र के संपर्क में कोई ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत करता है जो झूठा या जानी है या जिनमें त्रुटि हो चुकी है,

(घ) यदि लाइसेंस प्राधिकारी यह समझता है कि लाइसेंस प्रदान करने देश के हित में नहीं होगा।

(ङ) यदि आवेदक के कार्यक्षेत्र राज्य के हित के प्रतिद्वंद्वी है,

(च) यदि आवेदक ने किसी सीमानुल्लंघन या विदेशी मुद्रा से संबंधित किसी कानून (जिसमें कोई नियम, आदेश या अधिनियम शामिल है) का उल्लंघन किया है,

(छ) यदि आवेदक ने किसी समय नियमित लाइसेंस में कोई फेरबदल की है या बिना लाइसेंस के माल नियमित किया है या अपने वाणिज्यिक कार्यों में या किसी प्रकार से लाइसेंस प्राप्त करने में किसी छद्म या धोखेबाजी के कार्यों में भाग लिया है या यह पाया जाता है कि उसने लाइसेंसधारी को किसी प्रकार का खर्च भुगतान देकर या अन्य तरीके से लाइसेंस पाने के लिए याचना

(ज) यदि आवेदक के लिए लाइसेंस प्राप्त करने में आवेदक के किसी अधिकारी या कर्मचारी ने किसी छद्म या जालसाजी के कार्यों में भाग लिया है,

(झ) यदि नियमित लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र दोषपूर्ण पाया जाता है और निर्धारित नियमों के अनुसार नहीं पाया जाता है,

(ञ) यदि आवेदक अधिनियम के अंतर्गत बनाये गए या बनाए गए समझे जाने वाले किसी आदेश का या इस प्रकार के किसी आदेश के अंतर्गत प्रदान किए गए लाइसेंस को किसी शर्त का उल्लंघन करता है। या उल्लंघन करने का प्रयास करता है या उल्लंघन करने के लिए उकसाता है या नियमित व्यापार नियंत्रण विनियमों को भंग करता है।

(ट) यदि आवेदक नियमित नियंत्रण विनियमों के अनुसार लाइसेंस के लिए पात्र नहीं है,

(ठ) यदि लाइसेंस प्राधिकारी नियमित को विशेष या विशिष्ट अधिकारों में या सूतों के माध्यम से संपूर्णबद्ध करने का निषेध करता है।

(ड) यदि आवेदक एक साक्षीदार फर्म में साक्षीदार है या उप प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का पूर्ण समय के लिए निदेशक या प्रबंध निदेशक है जो कुछ समय के लिए अनुच्छेद-7 या अनुच्छेद 9 के अंतर्गत कार्रवाई के अधीन है,

(ढ) यदि आवेदक अनुच्छेद 7 या अनुच्छेद 8 या अनुच्छेद 9 के अंतर्गत छोड़े समय के लिए किसी कार्रवाई के अधीन है,

(ण) यदि आवेदक एक साक्षीदार फर्म में या प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कोई साक्षीदार या पूर्ण समय के लिए निदेशक या प्रबंध निदेशक हो या, जैसा भी मामला हो, छोड़े समय के लिए अनुच्छेद-7 या 8 या 9 के अंतर्गत किसी कार्रवाई के अधीन है,

(त) यदि सीमानुल्लंघन अधिनियम, 1962 के अंतर्गत आवेदक से किसी प्रकार की धनराशि की मांग की जाती है या उक्त अधिनियम के अंतर्गत किसी प्रकार का लगाया गया दंड 3 महीने की अवधि तक चुकाया नहीं गया है,

(थ) यदि आवेदक किसी प्रकार के उस दस्तावेज को प्रस्तुत करने में असमर्थ है जिसकी मांग मुख्य नियंत्रक, आयात-नियमित या लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा की जाती है, और

(द) यदि आवेदक, अधिनियम के अंतर्गत उस पर अंतिम रूप से लगाए गए जुर्माने को अज्ञान में असफल रहता है।

6. लाइसेंस का संशोधन :— लाइसेंस प्राधिकारी अपने स्वयं के प्रस्ताव पर या लाइसेंसधारी के आवेदन पर, इस आदेश के अंतर्गत प्रदान किए गए लाइसेंस में ऐसा संशोधन कर सकता है जो कि अधिनियम की या इस आदेश की या छोड़े समय के लिए लागू किसी अन्य कानून की व्यवस्था के अनुरूप आवश्यक समझे या लाइसेंस में किसी प्रकार की गलती या भ्रम का सुधार कर सकता है।

यह कि लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंस धारी के अनुरोध पर लाइसेंस में नियमित व्यापार नियंत्रण विनियमों के अनुसार किसी संशोधन कर सकता है।

लाइसेंस प्राप्त करने या माल नियमित करने से वंचित करने का अधिकार—(1) केंद्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-नियमित या प्राधिकृत अधिकारी लाइसेंसधारी को या नियमित या किसी अन्य व्यक्ति को निम्नलिखित मामलों के लिए इनमें से किसी के लिए वंचित कर सकते हैं, यद्यपि लाइसेंस प्राप्त करने में या किसी माल का नियमित करने में वंचित कर सकते हैं और अन्य कोई कार्यवाही जो इस संबंध में की जाये उसे ध्याम में रखे बिना यह निदेश दे सकते हैं कि उसे कोई लाइसेंस

प्रदान नहीं किया जाएगा या इस आदेश के अन्तर्गत एक विशिष्टिक्त अवधि के लिए किसी माल के निर्यात के लिए उसे कोई अनुमति नहीं दी जाएगी।

- (क) यदि लाइसेंस के लिए उसका आवेदन-पत्र किसी समय इस आदेश की तहत व्यवस्था के अनुसार नहीं पाया जाता है, या
- (ख) यदि इस प्रकार के आवेदन-पत्र में किसी प्रकार का झूठा जासू या गुमराह करने वाली विवरण शामिल होता है, या
- (ग) यदि यह पाया जाता है कि उसने अपने आवेदन-पत्र के समय में जो प्रलेख दिया है, वह झूठा है या जासू है या उसने रेर फेर किया हुआ है, या
- (घ) यदि उसने किसी समय निर्गम लाइसेंस में हेर-फेर किया है या लाइसेंस के बिना माल निर्यात किया है या वाणिज्यिक व्यवहार करने में या लाइसेंस प्राप्त करने के या किसी, माल का निर्यात करने में अथवा या घोषितवाजी के काम में भाग लिया है या यह पाया जाता है कि लाइसेंसधारी ने किसी प्रकार का प्रलोभन लेकर या किसी अन्य तरीके से लाइसेंस पाने के लिए याचना की है, या
- (ङ) यदि उसके अधिकारी या कर्मचारी ने किसी अथवा घोषितवाजी के काम में किसी लाइसेंस प्राप्त करने या उसकी ओर से किसी माल का निर्यात करने में किसी घोषितवाजी के काम में भाग लिया है, या
- (च) यदि वह लाइसेंस में दी गई शर्तों या लाइसेंस में संलग्न किए गए आवेदन पत्र में दी गई शर्तों में किसी शर्त का अनुपालन करने में असमर्थ रहता है या उल्लंघन करता है या उल्लंघन करने का प्रयत्न करता है या उल्लंघन करने में सहायता देता है, या
- (छ) यदि वह सीमाशुल्क या माल के आवात और निर्यात या विदेशी मुद्रा में संबंधित किसी कानून (इसमें कोई भी आदेश या विनियम शामिल है) का भंग करता है, या
- (ज) यदि वह मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात या किसी अन्य लाइसेंस अधिकारी द्वारा मागे गए दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ रहता है, या
- (झ) यदि वह अपने और अन्य पार्षी के बीच में दुई निर्गम संविदा का अनुमोदन उल्लंघन करता है।

टिप्पणी:— इस अनुच्छेद में अभिव्यक्ति 'लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र' में निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमों के अन्तर्गत दिया गया कोई भी आवेदन पत्र शामिल है।

- (2) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी लिखित रूप में विशेष आदेश द्वारा—

(क) विधायित कर सकते हैं—

- (1) उस व्यक्ति को जिसके सम्बन्ध में विदेशी मुद्रा संरक्षण ऐं सत्कारी कार्यकलाप निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) (जिसे इसके बाद अधिनियम, 1974 कहा गया) के अधीन कारावास का आदेश दिया गया है, अथवा
- (2) एक साझेदार फर्म या प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के ऐसे व्यक्ति को जो भागीदार हो या पूरे समय के लिए निदेशक या प्रबन्ध निदेशक जैसा भी माना हो लाइसेंस प्राप्त करने से या माल का निर्यात करने से, और
- (ख) ऐसे व्यक्ति, साझेदारी की फर्म या कम्पनी के विरुद्ध जो अन्य कार्रवाई की जा सकती हो, उसका ध्यान में रखे बिना यह आदेश दे सकते हैं कि ऐसे विशेष आदेश में जो अवधि

निर्धारित की जाए उसके लिए ऐसे व्यक्ति, साझेदारी की फर्म या कम्पनी की कोई माल निर्यात करने के लिए कोई लाइसेंस या अनुमति नहीं दी जाएगी, बशर्ते कि ऐसा विशेष आदेश ऐसे व्यक्ति/साझेदारी की फर्म या कम्पनी जिसका वह व्यक्ति पूरे समय के लिए निदेशक या प्रबंध निदेशक जो भी हो, के विरुद्ध तब लागू नहीं होगा जबकि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिया गया कारावास का आदेश—

- (1) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 9 या खण्ड 12-क के प्रावधान लागू न होते हैं और वह उस अधिनियम के खण्ड 8 के अन्तर्गत मनाहूकार बोर्ड की रिपोर्ट पर रद्द कर दिया गया हो या मनाहूकार कारिपोर्ट प्राप्त होने से पहले रद्द कर दिया गया हो या मनाहूकार बोर्ड को संदर्भ भेजने से पहले रद्द कर दिया गया हो, या
- (2) वह आदेश कारावास का ऐसा आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 9 के प्रावधान लागू होते हैं, परन्तु वह उस अधिनियम के खण्ड 9, उप खण्ड (2) के साथ पड़े जाने वाले खण्ड-8 के अन्तर्गत मनाहूकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर या खण्ड-9 के उप खण्ड (3) के अन्तर्गत जांच के आधार पर समय की समाप्ति से पहले रद्द कर दिया गया हो, या
- (3) वह कारावास का ऐसा आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 12-क के प्रावधान लागू हो और वह उस खण्ड के उप खण्ड (3) के अन्तर्गत प्रथम जांच के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड-12-क के उप खण्ड (6) के साथ साथ पड़े जाने वाले खण्ड (8) के अन्तर्गत मनाहूकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर समय की समाप्ति से पहले रद्द कर दिया गया हो, या
- (4) समर्थ दो अधिकार के न्यायालय द्वारा वह रद्द कर दिया गया हो।
- (5) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी-लाइसेंसधारी या निर्यातक या किसी अन्य व्यक्ति को लाइसेंस प्राप्त करने या किसी माल का निर्यात करने से रोक सकते हैं और जो इस सम्बन्ध में उनके विरुद्ध कोई भी कार्रवाई की जा सकती है उसका ध्यान में रखे बिना यह निर्देश दे सकते हैं कि ऐसे व्यक्ति को इस आदेश के अन्तर्गत एक विशिष्ट अवधि के लिए माल का निर्यात करने के लिए कोई लाइसेंस प्रदान नहीं किया जाएगा या अनुमति नहीं दी जाएगी, यदि केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी के विचार में—

(क) ऐसा लाइसेंसधारी, निर्यातक या अन्य व्यक्ति, या

(ख) जहां ऐसा लाइसेंसधारी, निर्यातक या अन्य व्यक्ति, एक साझेदारी फर्म में साझेदार या लिमिटेड कम्पनी ऐसा साझेदारी फर्म या लिमिटेड कम्पनी का पूर्ण समय के लिए जैसा भी मामला हो, संबालक या प्रबन्ध संबालक हो, और या

(ग) जहां ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक या अन्य व्यक्ति एक साझेदारी फर्म में साझेदार या लिमिटेड कम्पनी ऐसा साझेदारी फर्म या लिमिटेड कम्पनी का पूर्ण समय के लिए जैसा भी मामला हो, संबालक या प्रबन्ध संबालक हो, और

- (1) ऐसा लाइसेंसधारी, निर्यातक या अन्य व्यक्ति या साझेदार या जैसा भी मामला हो, ऐसा साझेदारी फर्म या लिमिटेड कम्पनी का पूर्ण समय के लिए संबालक या प्रबन्ध संबालक को प्रदान किए गए

किसी निर्यात लाइसेंस या आइटी कोटे का उपयोग करने या पूर्णतया उपयोग करने में बिना स्पष्ट कारण के असफल रहा हो, या

- (2) उसने आयात (निर्यात) आदेश, 1955 के उन अनुच्छेद (3) के पैरा (1) में उल्लिखित कोई गलत कार्य किया हो।

8. लाइसेंसों की मंजूरी या माल निर्यात करने की अनुमति को निलम्बित करने के लिए आधार :- यदि धारा 7 में उल्लिखित एक या अधिक परिस्थितियों की जांच चल रही हो तो केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इन संबंध में का जाने वाले अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना उस लाइसेंसधारी या निर्यात या किसी अन्य व्यक्ति को लाइसेंस देने की मंजूरी या माल निर्यात करने से निलम्बित कर सकते हैं,

यद्यपि कि लाइसेंस मंजूर करना या माल के निर्यात के लिए अनुमति देना साधारणतः 12 महीनों की अवधि में अधिक के लिए इन बातों के अन्तर्गत निलम्बित नहीं किया जायेगा,

आगे यह भी शर्त होगी कि निलम्बित हटाने पर उसकी ऐसी शर्तों और नियंत्रण के प्रतिबन्धों के अधीन निलम्बित की अवधि के लिए हो लाइसेंस प्रदान किया जा सकता है जो कि पूर्वोक्त प्राधिकारी द्वारा संबंधित आर्थिक तथ्यों को ध्यान में रखकर तय का जाए।

9. निर्यात किए जाने वाले माल के लिए आवेदन पत्रों का आस्यगम में रखना :- उन मामलों में जहाँ लाइसेंसधारी या निर्यातक या किसी भी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध परिच्छेद 7 में उल्लिखित आरोपों में किसी भी आरोप के लिए जांच पड़ताल करना बाका है और जहाँ केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इन प्रकार के आरोपों के संबंध में और विस्तृत जानकारी का पता चला है कि संतुष्ट हो जाता है कि लाइसेंस प्रदान करना या माल का निर्यात करने के लिए स्थापित करना पर्याप्त हित में नहीं है तो इस आदेश में निहित किसी भी बात के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी ऐसे व्यक्ति को लाइसेंस प्रदान करने के लिए या माल का निर्यात करने के लिए उनके किसी भी आवेदन पत्र को, कोई भी कारण बताए बिना ही इस संबंध में का जाने वाला किता अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना ही आदेश में रख सकता है,

यद्यपि कि इन परिच्छेद के अन्तर्गत ऐसे लाइसेंस के लिए मंजूरी देने या माल के निर्यात के लिए अनुमति देने का निबन्धन अधिक साधारणतः 6 महीने से अधिक नहीं होगा।

10. परिच्छेद 7 अथवा 8 के अन्तर्गत कोई गई कार्रवाई का प्रकार :-

- (1) यदि केन्द्रीय सरकार के विचार में यह आवश्यक है या पार्लामेण्ट के हित को ध्यान में रखते हुए यह उचित है कि परिच्छेद 7 अथवा 8 के अन्तर्गत किसी व्यक्ति या व्यक्तियों जिनके विरुद्ध कार्रवाई की गई है, के नामों या अन्य व्योनों को प्रकाशित किया जाए तो जैसा भी उचित समझे ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के नाम को और ऐसे व्योनों को प्रकाशित करा सकता है या प्रकाशित कराने का कारण बना सकता है।
- (2) उप परिच्छेद (1) के अन्तर्गत ऐसा किसी कार्रवाई के संबंध में कोई भी प्रकाशन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि अपील सुनने वाले प्राधिकारी को अपील प्रस्तुत किए बिना, अपील प्रस्तुत करने का समय बीत न गया हो या अतीत निपटा दी गई हो।

व्याख्या :- फर्म, कम्पनी या व्यक्तियों की अन्य संस्था के मामले में फर्म के साझेदारी, संजालकों, प्रबन्ध, एजेंटों, मजिस्ट्रेटों और कोमिश्नरों या कम्पनी के प्रबन्धकों या संस्था के सदस्यों जैसा भी मामला हो, के नाम भी प्रकाशित किए जा सकते हैं यद्यपि कि केन्द्रीय सरकार के विचार में मामले की परिस्थितियाँ इसे व्यापकता से ठहराएँ।

11. लाइसेंसों को रद्द करना :- (1) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी या अधिकारी इस आदेश के अन्तर्गत प्रदान किए गए किसी भी लाइसेंस को रद्द कर सकता है या अन्यथा कर में उन्नीस अंशों कर लगाएँ।

(क) यदि लाइसेंस भूल या गलती से प्रदान किया गया है या जानकारी या मिथ्या निरूपण से प्राप्त किया गया है,

(ख) यदि लाइसेंस, नियमों या इस आदेश की शर्तों के प्रतिकूल प्रदान किया गया है,

(ग) यदि लाइसेंसधारी ने लाइसेंस की शर्तों में से किसी भी शर्त का उल्लंघन किया है,

(घ) यदि केन्द्रीय सरकार या ऐसा अधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि लाइसेंस उन उद्देश्यों का पूर्ति नहीं करेगा जिसके लिए वह पदान किया है,

(ङ) यदि लाइसेंसधारी ने सीमाशुल्क से संबंधित किसी कानून या माल के निर्यात आयात से संबंधित किसी नियमों या विनियमों या विदेशी मुद्रा के विनियमों के अन्तर्गत किता कानून का उल्लंघन किया हो।

इसकी शर्त यह भी है कि इस आदेश में कोई बात निहित होती है कि केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी यदि इस बात से संतुष्ट है कि लाइसेंस को रद्द करना या उसे अस्वीकार करना सार्वजनिक हित में है तो वह कोई भी कारण बताए बिना ही ऐसा कर सकता है।

(2) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इस आदेश के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रदान किए गए किसी भी लाइसेंस को विधेय कर में विधेय न होने के कारण रद्द कर सकता है :-

(क) ऐसा व्यक्ति जिस के संबंध में अधिनियम, 1974 के अन्तर्गत कारावास का आदेश दिया गया हो, या

(ख) एक साझेदारी को फर्म या पार्टनरशिप के रूप में चला रहा व्यक्ति साझेदारी या फर्म के लिए निदेशक या प्रबन्ध निदेशक हो।

शर्त यह है कि ऐसे व्यक्ति के संबंध में या साझेदारी फर्म या कम्पनी जो भी हो, जिसका ऐसा व्यक्ति साझेदारी या संजालक हो, के संबंध में ऐसा विशेष आदेश, उत समय अतः कोई प्रमाण नहीं रखेगा जब कि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिया गया कारावास का आदेश :-

(1) कारावास का ऐसा आदेश हो जो उस अधिनियम, के अनुच्छेद-8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड को रिपोर्ट के खण्ड-9 या खण्ड 12-क का उपखण्डों के अन्तर्गत हो या सलाहकार बोर्ड को रिपोर्ट की प्राप्ति से पहले का हो या सलाहकार बोर्ड को रिपोर्ट भेजने से पहले का हो, या

(2) कारावास का ऐसा आदेश हो जिस के लिए अधिनियम, 1974 को धारा 9 को शर्त लागू हो, और वह धारा 9 को उपधारा

(3) के अन्तर्गत प्रथम पुनर्विचार के लिए दिए गए समय की समाप्ति से पहले या प्रथम पुनर्विचार के आधार या इस अधिनियम को धारा 9 की उप धारा (2) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो, या



- (3) कारावास का ऐसा आदेश हूँ जिस के लिए अधिनियम, 1974 की धारा 12-क की शर्त लागू होती हो और यह वह इस धारा की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रथम पुनर्विचार के लिए लिए गए समय की समाप्ति से पहले या प्रथम पुनर्विचार के आधार पर या इस अधिनियम की धारा 12-क का उपधारा (6) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 8 के अन्तर्गत न्यायाधीश बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो, या

12. लाइसेंसधारी आदि को मुआवई के लिए अवसर प्रदान करना:—

- (1) अनुच्छेद 6 या उपधारा (1) या अनुच्छेद 7 का उपधारा 3 या अनुच्छेद 8 या अनुच्छेद 11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत लाइसेंसधारक या नियंत्रक या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध जब तक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी जब तक कि उसे मुनवाई का उचित अवसर प्रदान न कर दिया गया हो।
- (2) यदि किसी मामले में अनुच्छेद 7 या 8 या अनुच्छेद 11 या उपधारा (1) (उत्त मामले को छोड़कर जिसमें उनके परन्तु के अन्तर्गत रह करके का आदेश दिया गया हो) के अन्तर्गत की गई कार्रवाई में कोई व्यक्ति संतुष्ट नहीं है तो वह कार्रवाई के पक्ष की तिथि से 30 दिनों के भीतर ऐसी कार्रवाई के विरुद्ध ऐसे प्राधिकारी में अपील कर सकता है जिसे केन्द्रीय सरकार, सरकारों राजपत्र में अधिसूचना द्वारा अवसर मुनने के लिए नियुक्त करे।

13. निर्यात किए गए माल के मूल्य, किस्म, गुण आदि की घोषणा:— किसी सीमाशुल्क पत्रन से निर्यात या माल का निर्यात करने पर नोट। माल सीमाशुल्क के अन्तर्गत हो या नहीं उ। माल का: सांख्यिक या नियंत्रक अपने ज्ञान और विश्वास के अनुसार पाल लक्षण दिल में या अन्य संगत दस्तावेज में उक्त माल के मूल्य, किस्म, विशिष्टीकरण गुण और विवरण का उल्लेख करेगा और यह प्रमाणित करेगा कि इन दस्तावेजों में उल्लिखित माल की किस्म और विशिष्टीकरण उसी निर्यात संधिदा के अनुसार है जो केता और माल के प्रेषक के बीच की गई है और जिसके अनुसरण में माल का निर्यात किया जा रहा है और ऐसे उल्लेख की घोषणा की सच्चाई में ऐसे पाल परिवहन पत्र या अन्य दस्तावेजों पर सब से नीचे हस्ताक्षर करेगा।

14. किसी घोषणा, विवरण-पत्र या दस्तावेजों को तैयार करने उत पर हस्ताक्षर आदि करने के संबंध में निषेध:—

- (1) लाइसेंस प्राप्त करने में या किसी माल का निर्यात करने में कोई भी व्यक्ति किसी घोषणा-पत्र, विवरण पत्र या दस्तावेज पर यह जानने हुए या विश्वास रखते हुए न हो हस्ताक्षर करेगा और न हस्ताक्षर करने का कारण उत्पन्न करेगा कि ऐसे घोषणा पत्र, विवरण पत्र या दस्तावेज में कोई विशेष बात झूठी है।
- (2) कोई भी व्यक्ति किसी भी लाइसेंस को प्राप्त करने या किसी भी माल का निर्यात करने में भ्रष्ट या कपटपूर्ण तरीकों का प्रयोग नहीं करेगा।

14क. मुख्य नियंत्रक या अपर मुख्य नियंत्रक की संगोष्ठित करने का अधिकार:—

मुख्य नियंत्रक या अपर मुख्य नियंत्रक अपनी मजी से या किसी अन्य प्रकार से किसी भी ऐसी कार्रवाई का रिकार्ड मंगा कर जिसमें प्रजीनत्व अधिकारी द्वारा धारा 7 की उपधारा (1) या उपधारा (3) अथवा धारा 11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत विवर्जित करने की कार्रवाई की गई हो और जिसके खिलाफ कोई भी अपील नहीं की गई हो, वे ऐसी कार्रवाई के संहिता, आनुवीकृति या औचित्य का प्रतीक संशुद्धि के लिए परीक्षण कर सकते हैं और उस पर जैसा भी उचित समझे, आदेश दे सकते हैं।

वर्षों कि इस उपधारा के अन्तर्गत की गई कार्रवाई में ऐसी विधिगत नहीं होगी जिससे किसी व्यक्ति पर उसका प्रतिकूल असर पड़े जब तक कि ऐसे व्यक्ति को:—

- (क) ऐसी कार्रवाई करने की तिथि से दो वर्षों के भीतर यह पूछते हुए कारण बताओ नोटिस प्राप्त हुआ हो कि ऐसी कार्रवाई में परिवर्तन क्यों न कर दिया जाए, और
- (ख) यदि उनमें अपने बनाव को इच्छा व्यक्त की है और बचाव के लिए समय चाहता है तो उसे प्रत्यावेदन करने का और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए अवसर प्रदान किया गया हो।

15. प्राशङ्क: निम्नलिखित के लिए आदेश में मे कुछ भी लागू नहीं होगा:—

- (क) केन्द्रीय सरकार द्वारा या उसके प्राधिकार के अधीन निर्यात किया गया कोई भी माल,
- (ख) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी किए गए निष्पादन अनुदेशों में शामिल कोई भी माल,
- (ग) बाहर जाने वाले किसी जलयान या अन्य वाहन के भण्डार या उपकरण के रूप में कोई भी माल, किन्तु भोजन सामग्री में निम्न,
- (घ) भारत से बाहर जाने वाले किसी भी व्यक्ति (बाहर जाने वाले किसी जलयान या वाहन के यात्री या दल के सदस्य को छोड़कर) के वास्तविक निजी नाविक प्रमवाव में शामिल कोई माल; परंतु यह है कि अनुसूची 1 के भाग "क" में विशिष्टीकृत जंगली जीव (मृत या जीवित) या उनके अंग या उनका उत्पाद) ऐसे निजी प्रमवाव में शामिल नहीं किए जायेंगे:—
- (ङ) डाक प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए पोस्टल नोटिस में विशिष्टीकृत जंतुओं के अन्तर्गत डाक द्वारा या वायुयान द्वारा निर्यात किया गया कोई भी माल,
- (च) भारत के पत्तन पर वाहनान्तरित कोई भी माल जब कि यह भारत से बाहर के पत्तन में प्रेषण के समय ऐसे वाहनान्तरण के लिए माल सूची में लिख दिया गया हो,
- (छ) भारत पहुँचने पर नेपाल और भूटान के अतिरिक्त भारत से बाहर किसी भी देश को पुनः निर्यात के लिए आयात किया हुआ और आबद्ध कोई भी माल,
- (ज) यात्रा में डाक द्वारा भारत से होकर कोई भी माल या नेपाल और भूटान को छोड़कर भारत से बाहर किसी भी गन्तव्य स्थान की डाक द्वारा भेजा गया कोई भी माल बशर्ते कि भारत में रहते समय ऐसा माल सदैव डाक प्राधिकारियों संरक्षण में रहा हो,
- (झ) वैश्व आयात लाइसेंस के बिना आयात किया गया और प्राधिकृत सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा निर्यात के लिए लिए गए आदेश के अनुसार निर्यात किया गया कोई भी माल;
- (झ) संयुक्त मुक्त व्यापार क्षेत्र में और अनुमोदित शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनियनों में द्विपक्षीय समझौतों के अन्तर्गत आने वाली वस्तु मदों को छोड़कर बित्तियत और वहाँ से निर्यात किए गए उत्पाद।
- (ट) निवेशक, राष्ट्रीय रक्त भूष संवर्धन प्रयोगशाला, बम्बई द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान या आपातकालीन रोगों के उपचार के लिए सामग्री के प्राधार पर जीवन रक्षा के उपायों के रूप में रक्त पप ओ. एच. (बम्बई फोमोटाइड) का निर्यात उन के द्वारा इन विषय में प्रत्येक मामले में जारी किए गए विशिष्ट प्रमाण-पत्र के आधार पर।

(1) मूल्यांकन/परीक्षण के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन में लुब्रिकेशन की प्रयोगशालाओं की लुब्रिकेशन इंडिया लि. इम्बई और ब्रिटेन आयल कार्पोरेशन लि., हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. और भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. द्वारा भारत में उनके प्रस्थापन से ल्यूब एंटीट्रिबल के विनिर्माण के लिए उपयोग में लाने के लिए स्नेहक तेल एंटीट्रिबल ल्यूब, तेल, अपरिष्कृत तेल और अन्य संबंधित पेट्रोलियम उत्पाद और कच्चे तेल के तयनों का निर्यात।

16. निम्नतः—समय-समय पर यथा संशोधित एम ओ. 254 (अ) दिनांक 24 मार्च, 1977 के अन्तर्गत भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आदेश से प्रकाशित किया गया नियति (नियंत्रण), आदेश 1977 एतद्वारा रद्द किया जाता है :—

शर्त यह है कि उपर्युक्त आदेश या अधिसूचना की शर्तों में किसी एक शर्त के अन्तर्गत किए गए किसी भी फैसले या जारी किए गए किसी भी लाइसेंस सहित कोई भी ज्ञान या कार्रवाई इस आदेश की तबनुकुरी शर्तों के अन्तर्गत ही की गई समझी जाएगी।

अनुसूची-1

निर्यात नियंत्रण शर्तों के अन्तर्गत पण्य वस्तु

भाग-क

वे सब जिनका निर्यात अनुमोद नहीं है

0019 भाग "ख" में उल्लिखित की छोड़कर सभी प्रकार के जंगली जन्तु (मृत्त या जोखित या उनके अंग या उनके उत्पाद) जिनमें सांजुत या भागों में स्टेफड एनिसल भी शामिल है का निर्यात निषेध है। उन विशेष परिस्थितियों में जहाँ निर्यात विशिष्ट वैज्ञानिक या प्राणी-विज्ञान प्रयोजनों के लिए है तो वहाँ पर्यावरण वन एवं जंगली जीव विभाग की पूर्ण निगरानी की आवश्यकता होगी जो निर्यात लाइसेंस जारी करते से पूर्व प्रत्येक मामले पर गुण-दोष के आधार पर विचार करेगा।

0027 निम्नलिखित से विनिर्मित मछः—

- (1) पोखयुपाइन विवल्स
- (2) (चिजल और साम्बर के) ग्रेड एटलस
- (3) रेंगेने बागे जस्तुओं/सापों की खाल
- (4) नेचले के बाल

0035 घरेलू जानवरों के फर

0043 गो मांस

0051 (1) दूध, दूध का पाउडर (क्रीम निकासी हुआ या क्रीम युक्त) शिशु दूध और विलेयकृत तरल दूध।

006 (2) गुरु देशी ची

- (1) केला सक्स (सोडलिंग पीछा)
- (2) काजू के पीछे

0078 निम्नलिखित तिलहनः—

- (1) सरण्डी
- (2) बिनोला
- (3) धलसी
- (4) सूर्यमुखी फूल
- (5) सोयाबीन
- (6) कर्दी
- (7) सरसों/तोरिया

0086 छिलका रहित साबुत नारियल, नारियल प्रोटीन, नारियल शहद, नारियल का घाटा और सुखाए हुए नारियल को छोड़कर नारियल और खोपरा।

0094 निम्नलिखित बीजः—

- (1) काजू बीज
- (2) डेंचा और बरसम बीजों से भिन्न हरी खाद के बीज
- (3) गुप्तर बीज (सम्पूर्ण)
- (4) पटसन बीज
- (5) नींबू घाग के बीज और जड़
- (6) मेस्ता बीज
- (7) पीपर कटिम्स या पीपर की यटिड कटिम्स
- (8) पेटरोकारपस सेण्टालिनम (खाल सेड्स) बीज
- (9) रबड़ बीज
- (10) रुमा घाग बीज और टफटस
- (11) सेन्टालम एल्बम (सम्पूर्ण की लकड़ी के बीज)

(12) (क) पोथे और व्युत्पन्न

1. एकोनोडम डिडनोरोजम (स्टेट रेनुकुनेसी)
2. एट्रोपा एक्वमिनाटा (राबले एक्मलिडी सोलेनेसी)
3. एरिस्टोवोचिया सप्स (एरिस्टोवोचियासी)
4. एरिस्टोवोचिया सप्स (फर्न)
5. बालनोफोरा सप्स (बालनोफोरासी)
6. कोलबिकम ल्यूटिडम (बेकर लो सी ए सी)
7. कोम्मीहोरा विवरी (धन मण्डारी बुसेरेसी)
8. कोप्टिस टीटा (बाल-रेनुकुनेसी)
9. साईएयिया गिनेटिया (बाल एक्स हूक-साएयि सी)
10. साईजोमकोरिया डलटोडिया बाल एक्स हूक-साईजोम-सीरीएसी)
11. ड्रोसरा बर्बामानी (बहुल-ड्रोसरासी)
12. ड्रोसरा इन्डिका निनत-ड्रोसरासी
13. जेटिताला कूड नावसजेटिटासी
14. गलेरिआंश मुरख लोकाएसी खेतों में उगाए गए गलेरिआंश मुपरी (लिलिए सी) बीजों से भिन्न
15. ग्रेटम सप्स (ग्रेटमसी)
16. हर्मीजिनिया कुन्थ (सीबालएसी)
17. मोकोनोवमिस डेटोमिफोविया (क्रेबेट-वेपाबेरासी)
18. मार्वोस्टेविस ग्रान्डीफ्लोरा (डी. सी. बेसीनियोनेसी)
19. नेपनमिस खासोवाना (हूक एफ. नेपनमसी)
20. असमन्डा कलटोनिया (असमन्डासी)
21. असमन्डा वेगालिस (असमन्डासी)
22. पीडोकार्डेलम हेमन्ड्रम (रायल-पोटो पोडोफाएलिसी)
23. राउबालफिया स्नर्नटीना (लिता बेंच एक्स कुर्ज-एपोसाइनेसी)
24. रोडोबेन्ड्रोम सप्स (एरिकेसिया)
25. रिमुमएलोडी (बाल एक्स भिसन-पातिगोनेसिया)

(ख) भाग-ख द्वारा सम्मिलित पोथों के भागों को छोड़कर पोथों के हिस्से।

(ग) निम्नलिखित घाबिड

1. जंगली घाबिड
2. एकोनोडम ग्रेटरोसीलम
3. बर्बटम एरिस्टेट

4. कोपटिस टीटा
5. डियोसकोरिया डेजर्टयडिया
6. जैनेटियाना कुरिया
7. नारबोमटाधिन ज.तामार्मा
8. फिसछाहमा प्रेला
9. पोडोफिनम हेम्सोट्रम
10. प्लावाडिया सेरगुमयिया
- (13) मिस्त की वनमेधी ( बर्मीम ) ( ट्रिफोलम एलाक्सतम बीज )
- (14) लूम्बोन ( अन्कात्का ) मेडिकेयो सतिवा बीज
- (15) फारम की वनमेधी ( शपतान ट्रिफोलम रिम्पोनेटम बीज )
- (16) केसर के बीज या दाना ( केसर के पोषे, लगाने के लिए सामग्री )
- (17) नक्ष बोकिका बीज, छाने, पने, जड़े व उनका जूँ
- (18) समी तेष बीज और दालों के बीज
- (19) गेहूं बीज और चावल बीज ( जंगमी किस्म )
- (20) सजावटी पौधों के बीज ( जंगली किस्म )
- (21) जंगलों से प्राप्त कुच ( कोस्टस लप्पा मिन मोमारिया लप्पा मी बी. मी. एन-मैन्टरेसिया )
- 0108 सभी किस्म/श्रेणियों के वन खण्ड के बीज, मूल और प्रजनक बीज
- 0116 डायोसजिमिन और डायोसकोरिया जड़े
- 0124 सिनकोना बीज और छाल
- 0132 निम्नलिखित गोद और रेजिन्स : ओनियो-रेजिन्स एक्सपीनमा लोंगोफोनिया
- 0140 पेसबा, बूडलाख और कोई भी लाख जिसमें जीवित कीड़े हों
- 0159 किर्मा भी पशु मूल की पिघाई हुई या बिना पिघलाई हुई या घन्यथा रूप से निकाली हुई अर्बो, वसा और या तेल
- 0167 निम्नलिखित वनस्पति तेल :
  - (1) सारियम का तेल
  - (2) विनोले का तेल
  - (3) मृगफली का तेल
  - (4) अलमी का तेल
  - (5) सनाद का तेल
  - (6) सूर्यमुखी फूल के बीज का तेल
  - (7) कर्दी का तेल
  - (8) तिल के बीज का तेल
  - (9) सरसों का तेल/तारिया का तेल
  - (10) सोसम के बीज का तेल
  - (11) कान्त घायल
  - (12) चावल की भूसी का तेल
- 0175 (1) मेड़क और उसके भाग ( संवाधिन मेड़क सहित )
- (2) 300 ग्राम से कम भार वाली मछली और जमाई हुई सिल्वर पामफेट्स
- 0183 (1) 3 इंच से कम लाइज के बीज-बी-मेर
- (2) 50 से कम प्रोटीन वाली फिशमीन
- 0191 (1) चावल की भूसी, कच्ची और उबकी हुई
- (2) धान ( छिलके सहित चावल )
- 0205 (1) मृगफली की खली ( निष्कासक किस्म को )
- (2) तेल रहित मृगफली की खली जिसमें 1 प्रतिशत से अधिक तेल हो।
- 0213 सभी किस्म की एम्मेलेवर खली, विनोले की एम्मेलेवर खली को छोड़कर
- 0221 निम्नलिखित खनिज, ध्रुवस्क और सांद्रण :
  - (1) रेडियम ध्रुवस्क और सार
  - (2) यूरेनियम ध्रुवस्क और सार
  - (3) ताम्बा या सोना निकालने के बाद ध्रुवस्क से बचे हुए टेलिंग वाले यूरेनियम
  - (4) जस्ता ध्रुवस्क
  - (5) माग "ख" में उल्लिखित ध्रुवस्क कोम ध्रुवस्क और सार
  - (6) जस्ता सार
  - (7) बेनेडियम ध्रुवस्क और सार
  - (8) बेनेडियम वाले लौह ध्रुवस्क जिनमें 0.2% से अधिक के को<sub>2</sub> ओ<sub>2</sub> शामिल है।
  - (9) टंगस्टन ( वूलफार्म ) ध्रुवस्क और सांद्रण।
  - (10) ऐन्थ्रासाइट
  - (11) सभी श्रेणियों के कैंटाइट
  - (12) सभी प्रकार के मिनिमेनाइट ( ग्रेनुलर मिनिमेनाइट को छोड़कर )
  - (13) 4.5% से नीचे सिलिका तत्व सहित केल्साइन्ड मैग्नीसाइट तथा अति दग्ध मैग्नीसाइट
  - (14) सभी आकारों और गणों में एम्मेलेवर का क्रिस्टलाइन क्रोमिडोसाइट और एम्मोसाइट
  - (15) कैल्साइन्ड वाक्साइट
- 023 सन्धिविष कोयले/असक्रिय कार्बन से भिन्न सभी प्रकार के कांचे
- 0248 क्रिओसांट तेल ( हल्का और भारी ) कालतार और तेल मिश्रण जिनमें कालतार हो।
- 0256 निम्नलिखित धातु और उनके मिश्रण :
  - (1) बेरिनियम और इसके मिश्रण
  - (2) लिथियम और इसके मिश्रण
  - (3) नेप्ट्यूनियम और इसके मिश्रण
  - (4) प्लूटोनियम और इसके मिश्रण
  - (5) रेडियम और इसके मिश्रण
  - (6) थोरियम और इसके मिश्रण
  - (7) यूरेनियम और इसके मिश्रण
  - (8) जिरकोनियम और इसके मिश्रण
  - (9) इरिडियम इरिडोममाइन और अस्मिरिडियम
  - (10) सैलेनियम
  - (11) ड्यूटेरियम मिश्रण
  - (12) पारा

- 0264 (1) कच्चा प्लेस्टो, प्लेस्टोला, प्लेस्टोला वलड/प्लेस्टोला
- (2) मनुष्यों के शरीर पर प्रयोग के लिए सभी उद्देश्यों के मनुष्य रक्त से निकाले गये हों, किन्तु मनुष्य या मांश पशुओं के रक्त और मनुष्य शरीर अन्तर्गत जो मानव प्लेस्टोला और मानव प्लेस्टोला रक्त से विनिर्मित हों, जो छेड़ें हों
- 0272 निम्नलिखित रसायन :-
- (1) एमिटिक एनडाइड
  - (2) पोलिथैलीन (एच डी)
  - (3) म्यान्थुरिक ननोराइड
  - (4) एथिलीन आक्साइड
  - (5) आइसोप्रोपिलहाइड्रॉल अल्कोहल
  - (6) सिन्थेटिक रबर
  - (7) मैथिलीन
  - (8) इथोलीन ग्लाइकोल
  - (9) डि-इथोलीन ग्लाइकोल
  - (10) पोलिथैलीन ग्लाइकोल
  - (11) मिथिल आइसोप्रोपिलहाइड्रॉल कोटोन
  - (12) 2-इथिल हेक्सागोन
  - (13) पी. पी. मो. रेजिन
  - (14) पैराफिन मोम
- 0280 सभी प्रकार के उर्वरक जिनमें सुपरफॉस्फेट भी शामिल है परन्तु माइक्रोन्यूट्रियन्ट उर्वरक शामिल नहीं है।
- 0299 राक फॉस्फेट
- 0302 जॉरेनियम तेल
- 0310 सभी प्रकार के कच्चे तेल तथा ताल
- 0329 (1) लट्टे के आकार में और बिरो हुई माइज में सभी प्रकार की लकड़ी और इमारती लकड़ी
- (2) बेंत
- (3) बांस
- 0337 कागज वर्ग की लुगदी जिसमें बांस का लुगदी शामिल है किन्तु सन का लुगदी को छोड़कर
- 0345 कागज की रस्सी, अन्धकार की रस्सी को छोड़कर
- 0353 रेणु के कोड़े
- 0361 शाय से बने हुए रेणु के कोड़े
- 037X अंगोरा बकरी के बाव या मोहेयर
- 0388 36 एम उममा (कमिटी) (स्वदेशी) में अधिक कच्ची ऊन
- 0396 शास्त्रि, शामिल कच्ची पर बने हुए अमली मशामी क्वाल (आर एम एफ के)
- 040X ऊन रस्सी
- 0418 मर-शहतूत के रेणु को रस्सी अर्थात् नपर, पूरी मंगा जिसमें छेदित शहतूत कोकून भी शामिल है।
- 0426 निम्नलिखित धातु :-
- (1) ताँबा :-  
इलेक्ट्रोप्लेटिंग अम्ल से शुद्ध किया हुआ एवं बोल्टर ताँबा जो इंगोट, बार, वर्क, ब्लूम, स्लैब, केम टाइल्स ब्रिक्स विलेटम, स्की एवं केथोड के रूप में हो
  - (2) निवस, अपरिष्कृत और निकल पेलेट्स
  - (3) मैग्नेशियम
  - (4) पीप लैड अपरिष्कृत
  - (5) जस्ता या स्नेलर अपरिष्कृत
  - (6) टिन, अपरिष्कृत और परिष्कृत
  - (7) बिस्मथ
  - (8) कोबाल्ट अपरिष्कृत और परिष्कृत
  - (9) मोलिब्डेनम
  - (10) प्लेटिनम, अपरिष्कृत और शुद्ध बिना गढ़ा हुआ
  - (11) टंगस्टन
  - (12) बेनेडियम
  - (13) तांबा अयस्क और सांद्रण
  - (14) शीशा अयस्क और सांद्रण
  - (15) कच्चा सोडा
- 0434 सिल्वर बिलियन, सिल्वर प्रीट्स और प्लेटें जिन पर रॉलिंग के बाव कोई भी विनिर्माण कार्य नहीं किया गया हो।
- 0442 एनमल ग्लू जिलेटाइन के विनिर्माण के लिए कच्चे मांस के रूप में प्रयुक्त खालों और चमड़ी की कटिंग्स और फ्लेशिंग
- 0450 किल्वर
- 0469 स्टीरीन मोनोमर
- 0477 प्राकृतिक रबर
- 0485 सिल्वर साल्ट्स, सिल्वर कैमिस्ट्री और कम्पाउंड निम्नलिखित को छोड़कर सिल्वर तत्व को प्रतिगता हो नहीं न हों :-
- |   | चौबी की मात्रा 100% | शुद्धता वाली |
|---|---------------------|--------------|
| अभिघ/कोटो रसायन के लिये सिल्वर नाइट्रेट:  | 63.5%               |              |
| सिल्वर ब्रोमाइड-एंटीसेप्टिक कोटो रसायन:   | 57.45%              |              |
| बवाओं के लिए सिल्वर आक्साइड:              | 93.1%               |              |
| इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए सिल्वर:          | 80.57%              |              |
| सिल्वर आयोडोआइड रैन मेकिंग:               | 45.95%              |              |
| सिल्वर सन आक्साइड ए.पी.-4 ओ               | 96.4%               |              |
| इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए सिल्वर क्लोराइड: | 75.26%              |              |
| बवाओं के लिए सिल्वर फ्लोराइड:             | 85.03%              |              |
| सिल्वर एसिडेट:                            | 64.30%              |              |
- तथा माइल्ड सिल्वर प्रोटीन के हुए फार्मलेशन तथा सिल्वर मल्फाडिमाजोन मात्राता प्राप्ता फार्माकोपोआ/सरकारी स्तर में निर्धारित।
- 0493 (1) बेरिल का जैम किस्म सहित वैरिल
- (2) आरिफ्ला (बिना तराशे और बिना सेट किए हुए बहु-मूल्य वर और राक क्रिस्टल क्वार्टज)
- 0507 बाटल बार्क
- 0515 फोस्फोर स्लैब
- 0523 धातु सम्बन्धी अवशेष अर्थात् ड्रेसिंग, निकलिंग, स्लेम, एमिश, स्लाइम और फाल्स डस्ट (सोना और चांदी को छोड़कर) जिसमें युक्त धातु की मात्रा 15 या इससे अधिक हो।
- 0531 फूड रम अर्थात् "रम नाट मंच्युड हन बुड।"
- 054X (धुवनजाल सल्फर को छोड़कर) सल्फर
- 0558 मक्खन
- 0566 गन्ना
- 0574 हड्डी पूर्ण



- 0582 मछली की हड्डियों के अलावा बिना पिसी हुई हड्डियाँ
- 0590 (1) पशु (2) ऊँट
- 0604 (1) सभी किस्म की दालें जिसमें लेस्टिस, घाम्म और गोस्त और उनसे निमित आटा भी शामिल है।  
(2) संसाधित दालें, उन्हें छोड़कर जो अधिम लाइसेंसिंग स्कीम/पासवुक के अन्तर्गत या अनुमोदित 100 प्रतिशत निर्मित अधिमूल्य यूनिट द्वारा आयातित दालों में तैयार की गई हैं।
- 0612 इन्वेस्टिमेंट के रूप में चांदी के विनिर्माण और उत्पाद जो भाग-ख, क्रम सं. 56 के सामने उल्लिखित से भिन्न हैं और इसमें इंजीनियरिंग, हस्तशिल्प और इलेक्ट्रिकल्स सामान, कोस्ट्यूम आभूषण और चांदी फिलिपी भी शामिल नहीं हैं।
- 0620 मानव खोपड़ी और उसके अंग।

## भाग-ख

के सर्वे जिनका निर्यात गण बोध या उच्चतम सीमा के अधीन या समकाल-समय पर विशिष्टकृत की जाने वाली अन्य शालों के अधीन अनुमोदित हैं

- 2011 (1) थोड़े (काठियावाड़ी, मारवाड़ी और मनीपुरी जातियों अनुमित नहीं हैं)  
(2) गधे  
(3) खच्चर
- 2022 जीवित भेड़ें और बकरी (व्यक्ति)
- 2038 निम्नलिखित जंगली जन्तु :-  
(क) जीवित जन्तु  
गादुर  
(ख) पशु उत्पाद (विनिर्मित रूप में) :-  
(1) सर्प त्वचा  
(2) अधिम/अध्रदाय/आर पी लाइसेंस/युनिटसामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित अफ्रीकी मूल के अधिविनिर्मित हथोरी दाँत के बने हुए तापी दाँत के उत्पाद  
(ग) जीवित पक्षी :  
(1) बिल्ल (बया और स्ट्रेटिड)  
(2) ब्रिटिश (नाल अमर वाली और काले सिर वाली)  
(3) कौबे (घरेलू और जंगली)  
(4) मैना (सामान्य, बैक, काले सिर वाली, भूरे गिरा वाली और रोजो पेस्टर)  
(5) मुनिगाम (जिसीदार, नाल काले सिर वाली, सकेर सिर वाली और सफेद गले वाली)  
(6) पाराकीट (लाल छाती वाली रोज रिडिंग, एक्ससजे-डाउन बुलामन हैडिड एवं गाल्टी हैडिड)  
(7) गौरैया (पालतू और पीले गले वाली)  
(8) कबूतर (ड्यू राफ और उसकी अपालतू किस्में)  
(घ) मोर की पूंछ के पंख और उनसे विनिर्मित वस्तुएँ/हस्तशिल्प की वस्तुएँ।  
(ङ) कैवराइडीन बीटल्स
- 2046 (क) भैंस का मांस (नर एवं मादा दोनों) जिसमें बिज, जिरगर, फेकड़े मगज, जीभ, गुर्दे और अन्य अंग भी शामिल हैं।  
(ख) भारतीय भेड़ का मांस जिसमें बिज, जिरगर, फेकड़े, मगज, जीभ, गुर्दे और अन्य अंग शामिल हैं।  
(ग) भारतीय बकरी का मांस जिसमें बिज, जिरगर, फेकड़े, जीभ, गुर्दे और अन्य अंग भी शामिल हैं।

802 GI/89-2

- 2054 (1) समुद्री मत्स्य  
(2) 50 प्रतिशत या इसके अधिक जोड़ों का मात्रा बाजो फिशमील
- 2062 (1) मानव अस्थिबंधनों और उनके भागों से भिन्न अस्थिबंधन  
(2) पीसी हुई हड्डियाँ
- 2070 घाज
- 2089 निम्नलिखित अनाज और आटा  
(1) चावल (बासमती और पैव बासमती)  
(2) गेहूँ  
(3) गेहूँ उत्पाद अर्थात् रवा, परिणामी आटा और गेहूँ की भूसी  
(4) मैदा, सूजी और होलमोल आटा अर्थात् 95 प्रतिशत निस्तारण तक का गेहूँ का आटा  
(5) जौ  
(6) मक्का  
(7) बाजरा  
(8) ज्वार  
(9) मोटा अनाज (रागी)
- 2097 पेड़, झाँज, सजावटी पौधों, वनस्पतियों, फलों और ग्लोरिया सुकरी (शिलियामिया) के सभी प्रकार के बीज
- 2100 फोडुर क्रोप बीज
- 2119 जंगली किरम को छोड़कर कुछ (कोस्टम लम्बा फिन गौपुरिया लम्बा सी सी सी गल एस्टरेमिया) निजी भूमि में उत्पादित तथा इसने व्युत्पन्न।
- 2127 आर्चर डिम (भाग-क में आने वाली श्रेणियों को छोड़कर)
- 2135 निम्नलिखित पौधों का प्रोटीन :-

## (ख) पौधे

टिप्पणी में दर्शाए गए प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर पौधों के भाग के निर्यात के लिए अनुमति दी जाती है

- |   |               |
|---|---------------|
| 1. अरुमदिनारिया उन्नासरुसिया रोम्बल                 | संपूर्ण पौधा  |
| 2. बैटिकया कोडापन्न बेरी                            | संपूर्ण पौधा  |
| 3. डलबरजिन लडिटोलिया रोरा                           | बीज           |
| 4. डिप्रोमकोरिया गानेरी प्रोटेड                     | रूख           |
| 5. खालामा गगनरी (बात एन डूत) रूख                    | संपूर्ण बीज   |
| 6. लावटेरा कम्पेरियन गम                             | फल/बीज        |
| 7. गंगालिया पेडोकार्पा रोवप                         | बीज           |
| 8. पैरक्यूमीजिया मेडिफ्लोरा और आर और इस और हड्डिचपन | जड़ स्टॉक/बीज |
| 9. पिनागो पेनिनियन बी एन                            | संपूर्ण बीज   |
| 10. पिनस जिरोरदियाना बाल                            | बीज           |
| 11. पोपुलस गैम्बेली डोड                             | कठिण बीज      |
| 12. पेडोकार्पा डलबरजिनकोडिस राबस                    | बीज           |
| 13. रोबीनफिका कोनेसेंस                              | जड़ और बीज    |
| 14. सस्तालय एलबम                                    | बीज           |

## (ग) वनस्पति पौधे :-

- |                             |            |
|-----------------------------|------------|
| (1) साइकस बडोयो डागर        | पौधे       |
| (2) डिमजिडियस कलियाना आर बी | संपूर्ण आर |

टिप्पणी :— लेकिन उपर्युक्त विनियमों में जोख दे दी गई है और नियमों की अनुमति फर्मों द्वारा मुख्य वनपाल या मुख्य जंगली जीव धारण प्रथम उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी से यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर स्वीकृत किया जाएगा कि वे मानव धारापण प्रथम नगरी मूल के हैं।

- 2143 (1) हाइड्रोक्सीलोन नल (बनस्पति धी)  
(2) प्ररणी का तेन

2151 स्टिकलाक और बाइलाक

- 2168 (1) चीनी  
(2) मोडसारी चीनी

- 2178 (1) सीरा  
(2) खण्डसारी सीरा

2186 पालमाइरह चीनी बीडी

2194 जैगरी (गुड़)

2208 इथिल एल्कोहल या रेफिटाइड स्प्रिट किसी भी प्रुत धिरी के चाहे डिनेशडे हो या न हो।

2216 तेल रहित चावल की धूसी (चावल की धूसी का सन)

2224 तेल रहित मृगफली की खली (अर्क)

- 2232 विनायक भिकाले हुए विनीले की खली  
(डिकाटिकेटिड और अनडिकाटिकेटिड)  
(2) विनीले की एक्सपेलेर खली  
(3) गेहूं का भूसा (सूखा तिनका)

2240 ताप अभिसाधित वर्जीनिया तम्बाकू, धूप अभिसाधित वर्जीनिया तम्बाकू, धूप अभिसाधित नाटू (देशी) तम्बाकू और धूप अभिसाधित जूटी तम्बाकू

2259 सीमेंट

2267 निम्नलिखित खनिज अयस्क और सांद्रण :—

- (1) कैल्साइड बाक्साइट को छोड़कर, सभी वर्गों के बाक्साइट
- (2) लौह अयस्क
- (3) कच्चा मन्नीसाइट
- (4) 4.5% से 7.5% के बीच के मिल्का तत्व वाले मैंगनीसाइट
- (5) मैंगनीज अयस्क (रासायनिक दृष्टि से संसाधित मैंगनीज डायोक्साइड को छोड़कर)
- (6) ग्रेम्युलर सिनिमेनाइट
- (7) कोरुण्डम, सेफाइडर और स्पीस से भिन्न
- (8) निम्नलिखित क्रोम अयस्क और सांद्रण :—

- (1) पिण्डित क्रोम अयस्क जिसमें सी आर 2 आर 3 41.99 प्रतिशत से अधिक न हो

- (2) उत्तम क्रोमाइट एवं भुरमुरा अयस्क

- (9) स्ट्राइल, सिबेटिक स्ट्राइल
- (10) थोरियम अयस्क और सांद्रण
- (11) जिरकोन अयस्क और सांद्रण जिसमें जिरकोन वर्गों की अर्ध बहुमूल्य किस्म शामिल है।
- (12) कुछ अन्य खनिज जिसमें निम्नलिखित तत्व आवश्यक भाग के रूप में शामिल हों (क) कोलंबाइट (ख) मोनाजाइट, (ग) सेमरसकाईट (घ) यूरेनोफेस अनामाइट
  1. रेडियम अयस्क तथा सांद्रण
  2. थोरियम अयस्क तथा सांद्रण
  3. यूरेनियम अयस्क तथा सांद्रण
  4. कापर अथवा मोल्ड के निस्तारण के पश्चात् अयस्क से गोचर बने यूरेनियम थोरियम टेलुरांस

5. जिरकोन वर्गों की अर्ध बहुमूल्य किस्म सहित जिरकोन अयस्क तथा सांद्रण

(13) लेट्राइट

2275 (1) संसाधित अयस्क जिसमें सभी वर्गों और किस्मों के अयस्क ब्लाक्स, अयस्क फिल्म और स्पिलिटिंस शामिल हैं, किंतु निमित्त और गड़े हुए अयस्क को छोड़कर

(2) अयस्क बेल्ट (फैक्टरी कंटिंग सहित) और स्केप जो संसाधित अयस्क द्वारा प्राप्त की जाती है और जो आकार और रंग के कारण संसाधित अयस्क के विशिष्टीकरण से कम समशी गरी है।

2283 (1) कोयला एवं कोक

(2) कार्बोनाइज्ड लिगनाइट ब्रिकवेट्स (एल ई सी ओ)

2291 स्नेहक, ग्रीज और अपरिष्कृत तेल सहित सभी पेट्रोक्वियम उत्पाद

2305 निम्नलिखित रसायन :—

- (1) अम्लिक अल्कोहल
- (2) मोनो क्लोरो एमिटिक एसिड
- (3) कैल्शियम कार्बाइड
- (4) फिनोल
- (5) पी बी सी मिश्रण (कंपाउंड)
- (6) एसिटिक एसिड
- (7) टोल्युइन
- (8) क्लोरोक्विन फास्फेट और क्लोरोक्विन सल्फेट से विनिर्मित फार्मेशन सहित क्लोरोक्विन फास्फेट और क्लोरोक्विन सल्फेट।

(9) पोलिथीलिन (एल एल डी पी)

(10) पोलिथीन (एल एल बी पी)

(11) बेंजीन

(12) अम्ल लनशील गंधक

2313 माइक्रोन्यटीजंट फर्टिलाइजर

2321 (1) कुनैन और क्विनीडाइन तथा उनके लवण निकालने के बाद मिनकोना मिश्रित इस्कलाइड और सिमकोना लवण

(2) क्विनीडाइन सल्फेट

(3) कुनैन और कुनैन उत्पाद

233X मिथेटिक कस्तूरी

2348 (1) अभिवांशित सिनेमाटोग्राफिक फिल्म (फीचर फिल्में) 20 लाख रुपये तक की लागत पर तैयार कम बजट फीचर फिल्मों को छोड़कर भारतीय फीचर फिल्मों की विधियो राइट्स की बिक्री शामिल है।

(2) (कैसेट सहित) बीडियो टेप सिनेमा फिल्में

2356 सभी किस्म के अर्ध संसाधित चर्म तथा खाल जिसमें पूर्वी भारत के कमाए हुए बेटंगु चर्म तथा खाल और पपड़ीदार चमड़ा शामिल है।

2364 भाग "क" मय सं. 32 में उल्लिखित से भिन्न लकड़ी और इमारती लकड़ी

2372 (1) कच्चे रेशम

(2) नायल रेशम के रेशों सहित शुद्ध रेशम के रेशे

(3) निम्नलिखित रेशम के वेस्ट :—

(क) पोस्टर और हारिशम वेस्ट

- (ख) महतुल के रेशम वेस्ट जिनमें साफ किए हुए और गोंद रहित रेशम के स्वेट शामिल हैं।
- (ग) नायल और नायल ड्रापिंग
- (घ) रेशम वेस्ट की अन्य किस्में अर्थात् :—
- (1) उनाले हुए कोकून
  - (2) बेसिन रिफ्यूज
  - (3) फलप/फलाप
  - (4) फिलमजी कोकून
- 2380 रोलिंग कोकून सहित रेशम-कीड़े बीज और रेशम कीड़े, कोकून
- 2399 हाथ से तैयार किए गए भिन्नलिखित फाइबर तथा यार्न :—
- (1) नाइलान टायर यार्न/कार्ड/कैब्रिक
  - (2) (क) रेयन टायर यार्न 600 और इससे अधिक डेनियर के (ख) सभी डेनियर के रेयन टायर कार्ड (ग) रेयन टायर कैब्रिक
  - (3) संश्लिष्ट मिश्रित धागे जिसमें 50 प्रतिशत या इससे अधिक संश्लिष्ट रेशे हैं।
  - (4) नाइलान फिलामेंट यार्न
  - (5) पोलिस्टर स्टेपल फाइबर/यार्न (सभी प्रकार के)
  - (6) रेयन फिलामेंट यार्न
  - (7) बिस्कोस स्टेपल फाइबर
  - (8) बिस्कोस स्टेपल फाइबर स्पन यार्न
  - (9) हाथ/मशीन से बुनने के लिए एक्जिलिक धागा
  - (10) एक्जिलिक यार्न/एक्जिलिक फाइबर
- 2402 अंगोर बकरी के बाव या मोहेयर को छोड़कर 36 एस "क्वालिटी" तक कच्चा ऊन (बेरी)
- 2410 ज़ाथो ऊनी/सिमि ब्रिस्टेड यार्न
- 2429 मिट्टीयार (एक्जिलिक तथा मिक्सड)
- 2437 कच्ची कपास
- (1) बंगाल देशी
  - (2) असम कोबीलास
  - (3) स्टेपल कपास
  - (4) धाग/पानी के कारण क्षतिग्रस्त कच्ची कपास
  - (5) जोड़ा तथा स्टीपिंग
  - (6) ग्लो पिकिंग
  - (7) अन्य
- 2445 भरम कपास बेस्ट/सख्त कपास बेस्ट
- 2453 टायर कार्ड यार्न सहित कपास के रेशे
- 2461 निम्नलिखित कपड़ा
- (1) जैतूनी हरी घाटी का टेक्स्टाइल कपड़ा और उसकी सामग्री, असली, और मकली रेशम के धन्ने और उनकी सामग्री (होजरी सहित) को छोड़कर
  - (2) टेंट/सक्रियात्मक ग्रीन गेज के टेंट का कपड़ा
  - (3) सूत, ऊन और मानव निर्मित रेशों (पटसन, रेशम और फ्लैक्स को छोड़कर) से निर्मित वस्त्र और सूती वस्त्र उत्पादों का भारत-यूरोपीय आर्थिक समुदाय के वस्त्र समझौते के अंतर्गत यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य राज्यों को निर्यात।
  - (4) सूत, ऊन और मानव निर्मित रेशों (पटसन, रेशम और फ्लैक्स को छोड़कर) से निर्मित वस्त्रों का भारत-संयुक्त राज्य वस्त्र समझौते के अंतर्गत संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात।
- (5) कुछ सूती वस्त्रों और वस्त्र उत्पादों का भारत और बांग्लादेश के बीच आपसी सहमति के तहत के अंतर्गत बांग्लादेश को निर्यात।
- (6) भारत-स्वीडन वस्त्र करार के अंतर्गत स्वीडन को सूत, ऊन या उनके मिश्रण के कुछ वस्त्र उत्पादों का निर्यात।
- (7) भारत और फिनलैंड के बीच हुए सहमति आपन के अंतर्गत फिनलैंड को सूती और मानव निर्मित रेशों के वस्त्र उत्पादों का निर्यात।
- (8) ह्यूबलूम से बने प्रसली मद्रासी रुमाल (श्रार एम्. एच. के) का निर्यात
- (9) भारत और कनाडा के बीच हुए सहमति आपन के अंतर्गत कनाडा को सूत, ऊन और मानव निर्मित रेशे और उनके मिश्रण के बने हुए वस्त्र कुछ उत्पादों का निर्यात।
- (10) भारत और नार्वे के बीच समझौते के अधीन कुछ वस्त्र और वस्त्र उत्पादों का नार्वे को निर्यात।
- 247X (1) कच्चा पटसन, मेस्ता और पटसन के टुकड़े जिनमें बैडीज शामिल नहीं हैं।
- (2) पटसन की बरियों की बैक का कपड़ा जब उत्तरी अमेरिका के देशों को निर्यात किया जाए।
- 2488 (1) लोहा और इस्पात से बने हुए लोहे की प्याप और जुड़मार को छोड़कर।
- (2) आयातित बुलेट से बने राइफ तथा चाँदी।
- (3) लाइट रेल (20 कि. ग्रा. या इससे कम)
- 2496 निम्नलिखित को छोड़कर साह मिश्र धातुएं
- (1) फेरस मैगनीज स्लेग
  - (2) फेरस मैगनीज (0.05% से कम मात्रा वाले फेरस मैगनीज के सिवाए) सिलिका मैगनीज।
  - (3) फेरी क्रोम में (0.03% कार्बन से कम मात्रा वाले फेरी क्रोम सिवाए और नाइट्रोजन बियरिंग/सिलिका क्रोम
- 250X फेरी टिटैनियम
- 2518 अलुमिना धातुएं और मिश्र धातुएं बिना गरी हुई जो इस अनुसूची में और कहीं प्रयोजित नहीं हैं।
- 2526 धातु कतरन, लोह कतरन, से भिन्न जिसमें 0.50% से अधिक निकल या 0.20 से अधिक मोलिब्डेनम या 1.00 प्रतिशत से अधिक टंगस्टन या 0.20 प्रतिशत से अधिक बनेडियम या 1.00 प्रतिशत से अधिक कोबाल्ट की मात्रा हो और मिल स्केल कतरन।
- (1) निकल केडमियम जेटरी कतरन
  - (2) प्लेटिनम कतरन
  - (3) निकल प्लेट्स को छोड़कर निकल कतरन
  - (4) नाइक्रोम कतरन
  - (5) अन्य धातुओं के कतरन
- 2534 धातु संबंधी अवशेष अर्थात् डोमिंग स्क्रिमिंग स्लेस, राख सलाहम और फ्यू इस्ट (जो सोने और चांदी से भिन्न हैं)।
- 2542 रेलों के डिब्बे यांत्रिकों के कोच और लोकोमोटिव
- 2550 (1) बिस्तेज मोटर कार, मोटर साईकिल तथा उनके हिस्से पुर्जें और संघटक अर्थात् 1940 और उससे पूर्व के माडलों की मोटर कारें और मोटर साईकिलें।
- (2) पुराने ओटोमोबाइल प्रतिरिक्त पुर्जें, संघटक तथा उपसाधन
- 2569 आयात-निर्यात नीति, 1988-91 (खंड-1) के परिशिष्ट-22 के उपाखंड-6 और 7 में उल्लिखित चांदी के आभूषण और चांदी की वस्तुएं।

2577 चाँदी के निकके (चाँदी की किसी भी मात्रा वाले)

अनुसूची -- 3

नोट: समय-समय पर जारी किए गए (ग्रनसर्कुलैटिड क्वालिटी) संस्मारक प्रूफ सेट सिक्कों के निर्यात केवल भारत सरकार के डकखाल, बम्बई द्वारा ही जाएगी तथा सीमाशुल्क प्राधिकारी ऐसे निर्यात के लिए सीधे ही अनुमति देंगे।

खुला सामान्य लाईसेंस

खुला सामान्य लाईसेंस सं. - 1

2585 स्वर्ण आभूषण तथा वस्तुएं।

2593 वायुयान के पुर्जे संघटक तथा उनके उपसाधित्र वापस करने के आधार जो भारतीय और विदेशी दोनों हवाई कंपनियों द्वारा मरम्मत/जांच के काम में लाए जाते हैं के सिवाए।

2607 (1) वस्त्र तथा गोलाबारूद अर्थात् मखिजल लॉडिंग हथियार तथा वॉल लॉडिंग या बॉल्ट एक्शन हथियार जैसे शाट गन, राईफल, रिवाल्वर, पिस्टल तथा उनका गोला बारूद।

(2) उपरोक्त (1) निर्दिष्ट से भिन्न अस्त्रस्त्र तथा गोला बारूद तथा तेज धार वाले हथियारों को भी छोड़कर जैसे छुरी, कुराण, क्रिज, गिहार के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले चाकू तथा तलवारें:

(3) सैन्य बंदार

(4) प्राचीन हथियारों की प्रतिकृति

2615. पाईरोफिलाइट

2623 गम रेजिन

2631 आर्थोडॉक्स नमक (मानव उपयोग के लिए प्रयुक्त)

264X पशुओं का जमाया हुआ सोर्में

2658. सभी प्रकार के समुद्री शैवाल

2666. गम कराया

267X अधिम लाईसेंसिंग स्कैम/पासबुक अथवा किसी अनुमोदित या प्रतिपात निर्यात अभिमुख यूनिट के अधीन केन्द्र आयात को गई शालों से बनी हुई संसाधित वालें।

अनुसूची 2

लाईसेंस देने के लिए सश्रम अवित्तारो

1. मुख्य निर्यंत्रक, आयात-निर्यात
2. अपर मुख्य निर्यंत्रक, आयात-निर्यात
3. निर्यात आयुक्त
4. संयुक्त मुख्य निर्यंत्रक आयात-निर्यात
5. उप मुख्य निर्यंत्रक, आयात-निर्यात
6. सहायक मुख्य निर्यंत्रक आयात-निर्यात
7. निर्यंत्रक, आयात-निर्यात
8. सीमा शुल्क समाहर्ता
9. अधीक्षक/सहायक समाहर्ता केन्द्रीय आधिकारी
10. उप-विभाग आयुक्त (आयात तथा निर्यात सामान्यतः इलेक्ट्रॉनिक नियमित संसाधन, क्षेत्र बम्बई।
11. सहायक विकास आयुक्त (आयात निर्यात सामान्यतः इलेक्ट्रॉनिक निर्यात संसाधन, क्षेत्र बम्बई।
12. उप-विकास आयुक्त, फालटा निर्यात संसाधन, क्षेत्र, फालटा पश्चिमी बंगाल।
13. उप-विकास आयुक्त, मद्रास निर्यात संसाधन क्षेत्र, मद्रास
14. संयुक्त विकास आयुक्त/उप विकास आयुक्त नोएडा निर्यात संसाधन क्षेत्र, (नोएडा, म्यू अंजला इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एरिया) उत्तर प्रदेश।
15. उप विकास आयुक्त, कोचीन निर्यात संसाधन क्षेत्र, कोचीन, केरल

कोई भी व्यक्ति भारत के निकटवर्ती किसी भी देश को जिसका स्वयं का कोई भी समुद्री मार्ग नहीं है सबकों द्वारा निम्नलिखित मदों का निर्यात कर सकता है बशर्ते कि वे वस्तुएं उस देश में उपयोग के लिए प्रयोग में लाई जाने के लिए अभिप्रेत हों :-

अनुसूची-1 में शामिल किया गया कोई भी साल जो कि पारंपरिक यातायात को नियमित करने के लिए निर्धारित किया विश्व के अन्तर्गत भेजा गया है।

खुला सामान्य लाईसेंस -- 2

कोई भी व्यक्ति किसी भी देश को निम्नलिखित वास्तविक नमूने निर्यात कर सकता है, इसमें वह देश शामिल नहीं है जो योउ समय के लिए किसी भी लागू कानून द्वारा निर्यात प्रतिबन्धित है, अर्थात् :-

क्रम सं.                      मद                      अनुसूची 1 की मद संख्या

1                      2                      3

निम्नलिखित वास्तविक नमूने--

1. लोहा अवस्क के नमूने जो एक समय में 30 मीट्रिक टन से अधिक न हों बशर्ते कि मास परेण निम्नलिखित सश्रम प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में जारी किए गए एक प्रमाण पत्र में शामिल हों कि लोहा अवस्क की मात्रा (भुमनि के साथ) प्रयोगात्मक प्रयोजन के लिए आवश्यक है और यह कि वह मात्रा उन विशेष प्रयोजन के लिए अवैधित म्युतम मात्रा है :-

(1) प्रमाणपत्र प्रयंत्रक (विक्रय), खनिज तथा ख-2267(2) धातु व्यापार नियम, नई दिल्ली, केवल गोला के अतिरिक्त किसी भी अन्य क्षेत्र के लिए।

(2) लोहा अवस्क मरामतार, गोला, गोला के के लोहा अवस्क के लिए।

(3) उप सचिव, खनिज विभाग, नई दिल्ली पूर्वोक्त मद संख्या (1) तथा (2) के अन्तर्गत न आने वाले परेण के लिए।

कूटमुख आयरन और कं. लि. द्वारा उत्पादित 40 प्रतिशत या इससे कम एक ई. की मात्रा वाले निम्न श्रेणी के अवस्क के परिष्करण और/या घनीकरण द्वारा तैयार किए गए लोहा अवस्क माध्यम के सेमरस जो एक समय में 30 मी. टन से अधिक न हों, का निर्यात खनिज तथा धातु व्यापार नियम के प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना हों कूटमुख आयरन और कम्पनी लि. द्वारा स्वयं किया जा सकता है।

2. लकड़ी के फर्नीचर का प्रत्येक पंजीकृत निर्यात 25000 रु. की वार्षिक सीमा के भीतर लकड़ी के फर्नीचर के नमूने निर्यात कर सकता है, परन्तु एक परेण के संबंध में यह सीमा प्रत्येक लाईसेंसिंग अवधि में 10,000 रु. से अधिक न हो।

- 1 2
3. प्रति निर्यातक 10,000 रु. की वार्षिक सीमा के भीतर पाठ्य पुस्तकों तथा अन्य पुस्तकों के नमूने, लेकिन यह एक परेपण के संबंध में प्रत्येक लाईसेंस अवधि में 3000 रु. से अधिक नहीं होगा।
4. निर्यात परेपण के जहाज पर निःशुल्क मूल्य के 10 प्रतिशत तथा औषध सूत्रीकरण के नमूने जब वे स्वयं परेपण के साथ ही निर्यात किए जाते हैं, ऐसे नमूनों की वैकित पर "चिकित्सक का नमूना है—बिक्री के लिए नहीं है।" मार्किंग का स्पष्ट रूप से संकेत होना चाहिए।
- औषध सूत्रीकरण के नमूने जो कि चिकित्सक के "नमूने, हैं" तथा बिक्री के लिए न हों तथा प्रत्येक निर्यातक से एक लाख रुपये की वार्षिक मूल्य सीमा के भीतर निर्यात परेपण प्राप्त न होता हो, परन्तु एक परेपण के संबंध में प्रत्येक लाईसेंस अवधि में 25,000/- रु. से अधिक न हो।
5. प्रति निर्यातक 2 लाख रुपये की वार्षिक सीमा के भीतर एगो केमिकल्स के नमूने लेकिन यह प्रत्येक लाईसेंस अवधि में प्रत्येक परेपण के लिए 50,000/- रु. से अधिक नहीं होगा।
6. इस आदेश की अनुसूची-1 के भाग "क" की मदों के नमूने तथा गुणवत्ता के आधार निर्यात के लिए अनुमति मदों तथा सीलिंग मदों को सूची-2 में आने वाली मदों का निर्यात अनुमति नहीं होगा।
- केवल सरणीबद्ध अधिकारों द्वारा निर्यात के लिए अनुमति सरणीबद्ध मदों के नमूने 25000 रु. की वार्षिक मूल्य सीमा के भीतर, लेकिन प्रत्येक लाईसेंस अवधि में प्रत्येक परेपण 5000/- रु. से अधिक नहीं होगा।

- 1 2
7. प्रति निर्यातक 25000/- रु. की वार्षिक मूल्य सीमा के भीतर अन्य नियंत्रित मदों के नमूने के संबंध में, लेकिन प्रत्येक लाईसेंस अवधि में प्रत्येक परेपण 5000/- रु. की राशि से अधिक नहीं होगा।
8. प्रति निर्यातक 50,000/- रु. तक की वार्षिक मूल्य सीमा के भीतर विनियंत्रित मदों के नमूने लेकिन प्रत्येक लाईसेंस अवधि में प्रत्येक परेपण 10,000 रु. से अधिक नहीं होगा।
9. यदि कोई निर्यातक ऊपर निर्धारित अनुमति सीमा से अधिक निर्यात करना चाहता है तो उसे मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में निर्यात लाईसेंसिंग समिति से संपर्क स्थापित करना चाहिए।

संबद्ध निर्यात संबंधित परिवर्तन/पर्यवर्तन हो ऐसी अधिकारण होगी जो निर्यात किये जाने वाले नमूनों के बारे में वार्षिक सीलिंग/मूल्य सीमा मानिटर करेंगे। तथापि निर्यात सबनों व्यापार सदनों के सम्बन्ध में नमूनों के निर्यात को मानिटर करने के लिए अधिकारन भारतीय निर्यात संगठन का महासंघ होगा।

10. ऐसे निर्यातक जो मूल में ही यथार्थ नमूने निर्यात करना चाहते हैं उन्हें संबंधित कीसिंग/पर्यवर्तन को आवेदन करना चाहिए जो मामले को वास्तविक की पड़ताल करने के पश्चात निर्यातक को नमूना निर्यात काई जारी करेंगे जिसमें निर्यातक का विवरण, निर्यात किए जाने वाले नमूने (नों) का नाम वार्षिक मूल्य सीमा तथा स्थान का नाम जहां पर नमूने निर्यात किये जाने हैं, का ब्यौरा होगा। यह निर्यात नमूने काई निर्यातक (कों) द्वारा सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किए जाएंगे और निर्यात विशिष्टिकृत पतन (नों) के माध्यम से अनुमति किया जाएगा सीमाशुल्क प्राधिकारी विशिष्टिकृत पतन पर निर्यात को अनुमति प्रदान करते समय नमूना निर्यात काई पर एक पृष्ठांकन करेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि वार्षिक सीलिंग/मूल्य सीमा का तो पार नहीं किया गया है।

लाईसेंसिंग अवधि के अन्त में नमूने को शेष मात्राओं/मूल्य सीमा को आगामी लाईसेंसिंग अवधि में ले जाने को अनुमति नहीं होगी। नमूना निर्यात काई की वैधता अवधि केवल एक लाईसेंसिंग वर्ष की होगी।

#### शुला सामान्य लाइसेंस - 3

(मदें, जिनका निर्यात खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत निर्धारित शर्तों के अध्याधीन अनुमति है)

क्र. सं.	मद	अनुसूची-1 के भाग ख में दी गई क्र. सं.	पूर्ण की जाने वाली शर्तें/प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	गाबुर	ख. 2038 (क)	कानूनी अधिप्राप्ति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी।
2.	अधिम/अप्रदाय/आर.ई.जी. लाइसेंस/शुला सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित अफीका मूल के अतिमिमित हाथी दांत के बने हुए उत्पाद	ख. 2038 (ख) (2)	फोना एवं फोरा संकटापन्न जातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते (सीआईटी एस) के अंतर्गत प्रबंध प्राधिकारी (निदेशक जंगली जीव संरक्षण (वन एवं जंगली जीव विभाग, भारत सरकार, द्वारा जारी किए गए पुनः निर्यात प्रमाणपत्र प्राप्त करने पर निर्यात की अनुमति चार मुख्य पत्तनों अर्थात् बम्बई, कलकत्ता, मद्रास और दिल्ली से दी जाएगी।



(1)	(2)	(3)	(4)
3. फिश मीन	ख. 2054 (2)	केवल 50% या इससे अधिक की प्रोटीन वाला मास अनुमित है।	
4. बासमती चावल	ख. 2089(1)	केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित किए गए न्यूनतम निर्यात मूल्य के आधार पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी।	
5. पेंडों, हेजिल, मज/वटी रौबों, वनस्पतियों, फूलों और ग्लोस्सिा सुपरी (लिनियमसिया) सभी के बीज	ख. 2097	निर्यात की अनुमति राज्य सरकार के बीज प्रमाणन अभिकरण/संबद्ध विभाग से इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि निर्यात किए जाने वाले बीज जंगली किस्म के नहीं हैं और बीज मूल तथा प्रजनक भी नहीं है।	
6. आर्चिड (भाग क में कम सं. 0094(ग) के सामने आने वाली श्रेणियों को छोड़कर)	ख. 2127	पोतलवान पूर्व निरीक्षण और सी आई टी ई एस प्रमाणपत्र के आधार पर केवल कल्चर तकनीक के माध्यम से बढ़ाई गई और फलास्क में रखी हुई आर्चिड ही अनुमेष है।	
7. निम्नलिखित पौधों के भाग	यथा-संकेतिक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर पौधों के भाग के निर्यात की अनुमति दी जाती है		
1. अम्लदिनारिया जौनमारेनसिया जेबल	संपूर्ण पौधा	निर्यात की अनुमति निम्नलिखित प्रस्तुत करने पर दी जाएगी :—	
2. ब्रेटिकिया कोडापन्ना बेरी	संपूर्ण पौधा बीज	(1) मुख्य वन संरक्षक या मुख्य वन जीव वाईन या उ के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किए गए इस आशय का प्रमाणपत्र की सामग्री कल्चर तकनीक के माध्यम से बढ़ाई गई बागान या नर्सरी मूल की है।	
3. बलबरजिन लामिडोलिया रोकम	बीज	(2) पोत लवान पूर्व निरीक्षण प्रमाणपत्र और	
4. डिओसकोरिया प्राजेरी प्रहनेट	बीज ट्यूबर	(3) सी आई टी ई एस (जंगली कोना एवं पर्वोरा संकटापन्न जातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र।)	
5. ग्याथाना गगनेटोया (बाल एक्स ड्रुक)	संपूर्ण पौधा		
6. लाबाटेरा क्यमोरियन गंध	फल/बीज		
7. मंगोलिया पेट्रोकार्पा रोबस	बीज	ख. 2135	
8. पैराक्यूनिजिया ग्रेडफ्लोरा ओ आर क्रूम और हटचिभन	समूह जड़/बीज		
9. पिनागामेसिलिस बी एल	संपूर्ण पौधा		
10. पिनस जिरारदियाना वाल	बीज		
11. पोपुलस गैम्बेली डोंड	कटिंग/बीज		
12. पैट्रोकार्पट डबलर गियोडिस राफस	बीज		
13. रीयोफ्रिया केनेसेस	जड़ और बीज		
14. सन्तालम एलबम (ख) वनस्पतिक पौधे—	बीज		
(1) साइकसबडोसी डायर	पौधे		
(2) यिसचिडिया रिफलिमावा आरबीआर	संपूर्ण		
8. अरण्डी का तेल	ख. 214(2)	निर्यात केवल सामान्य मुद्रा क्षेत्र के लिए ही अनुमेष है	
9. ताप अभिसाधित वर्जीनिया तम्बाकू धूप अभिसाधित वर्जीनिया तम्बाकू धूप अभिसाधित (मादू वेणी) तम्बाकू और धूप अभिसाधित जूटी तम्बाकू	ख. 2240	(1) जिस तम्बाकू के लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित किया गया है उसके संबंध में तम्बाकू बोर्ड से इस संबंध में एक प्रमाणपत्र कि मूल्य, न्यूनतम निर्यात मूल्य से कम नहीं है। (2) उस तम्बाकू के संबंध में जिसके लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य विशिष्टिकृत नहीं किया गया है तम्बाकू बोर्ड से इस संबंध में एक प्रमाणपत्र कि निर्यात किया जा रहा तम्बाकू न्यूनतम निर्यात मूल्य प्रतिबंध के अधीन नहीं है।	

(1)	(2)	(3)	(4)
10. लेटराइट	ख. 2267 (13)	निर्यात लोक विश्लेषक से एक ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर अनुमति किया जाएगा कि निर्यात माल में निम्नलिखित शामिल हैं :— (क) अल्यूमीना 40% से अधिक नहीं (ख) निकल 0.7% से अधिक नहीं (ग) कोबाल्ट 300 पी पी एम से अधिक नहीं (घ) बेनेडियम 121 पी पी एम से अधिक नहीं (ङ) गैलियम 139 पी पी एम से अधिक नहीं (च) स्ट्रेंथियम 7.4% से अधिक नहीं	
11. कार्बनीकृत लिगनाइट बिक्रियेटस (एनईसीओ)	ख. 2283(2)	कोयला नियंत्रक, 1, कार्डमिन हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता द्वारा किए गए आबंटन के मद्दे निर्यात केवल कलकत्ता, मद्रास एवं शिलांग से ही अनुमेष होगा।	
12. आयातित अल्फा में क्लोरोक्विन फास्फेट और क्लोरोक्विन सल्फेट से विनिर्मित फार्म्युलेशन क्लोरोक्विन फास्फेट और क्लोरोक्विन सल्फेट	ख. 2305(8)	निर्यात की अनुमति लाइसेंस में संकेतित जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की सीमा तक के लिए अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत योक्त में क्लोरोक्विन फास्फेट के आयात के मद्दे दी जाएगी।	
13. माइक्रोम्यूट्रिएण्ड फर्टिलाइजर्स	ख. 2313	कैमिकसल (रसायन एवं संबद्ध उत्पाद निर्यात संबंधन परिषद के पास पंजीकरण के आधार पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी।	
14. (1) सिनकोना निदेशालय तमिलनाडु/पश्चिम बंगाल द्वारा यथाप्रमाणित कुनैन और क्विनीडाइन तथा उनके साल्ट निकाले हुए सिनकोना मिश्रित एल्कलाइड और सिनकोना साल्ट। (2) क्विनीडाइन सल्फेट (3) कुनैन और कुनैन उत्पाद	ख. 2321(1) ख. 2321(2) ख. 2321(3)	सिनकोना निदेशालय, तमिलनाडु/पश्चिम बंगाल, जैसा भी मामला हो, से प्राप्त प्रमाणपत्र के मद्दे निर्यात की अनुमति दी जायेगी। औषध निर्यातक (भारत), नई दिल्ली से अनापत्ति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी। सिनकोना निदेशालय, तमिलनाडु/पश्चिम बंगाल, जैसा भी मामला हो, से प्राप्त प्रमाणपत्र से मद्दे निर्यात की अनुमति दी जाएगी।	
15. लकड़ी एवं इमारती लकड़ी अर्थात् निम्नलिखित :— (1) बस्ट, चिप्स, पलेक्स और पाउडर के रूप में चंदन की लकड़ी (2) चिप्स के रूप में लाल चम्पन की लकड़ी	ख. 2364	इमारती लकड़ी की अधिप्राप्ति के संबंध में निर्यात की अनुमति जैसा भी मामला हो केवल मुख्य वन संरक्षक, आग्रध प्रदेश, मुख्य वन संरक्षक, तमिलनाडु द्वारा जारी किए गए मूल प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर ही दी जाएगी।	
16. आयात-निर्यात नीति (खंड-2) सेशन-4 में यथा परिभाषित संसाधित इमारती लकड़ी	ख. 2364	लाल चम्पन की लकड़ी को छोड़कर सभी अनुमेष गंतव्य स्थानों को सभी प्रकार की संसाधित इमारती लकड़ी के निर्यात की अनुमति है। लाल चम्पन की लकड़ी से बनी संसाधित इमारती लकड़ी की अनुमति/लकड़ी की अधिप्राप्ति के संबंध में केवल मुख्य वन संरक्षक, आग्रध प्रदेश या मुख्य वन संरक्षक, तमिलनाडु जैसा भी मामला हो, द्वारा जारी किए गए मूल उत्पत्ति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर ही दी जाएगी।	
17. निम्नलिखित मापक-निर्मित रेशे और धातः :— 1. (क) 600 डेनियर और उससे अधिक के रेयन टायर धातः (ख) सभी डेनियरों के रेयन टायर कोर्ड (ग) रेयन टायर फैंब्रिक 2. 50% या इससे अधिक सिंथेटिक फाइबर वाले सिंथेटिक मिश्रित धातः 3. एक्रिलिक कृष्ण/मशीन मिश्रित धातः	ख. 2399(2) (क) ख. 2399(2) (ख) ख. 2399(2) (ग) ख. 2399(3) ख. 2399(9)	पोतलवान होने के बाद 15 दिनों के भीतर निर्यातकों को प्रभावी निर्यातों की सूचना संबंध परिषद को भेजनी चाहिए। निर्यात की अनुमति न्यूनतम 19 वर्ष प्रति किलोग्राम जहाज पर्यन्त निःशुल्क निर्यात मूल्य के अधीन दी जाएगी। निर्यात प्रभावी कर देने की सूचना निर्यातकों द्वारा पोतलवान के 15 दिनों के भीतर ही संबंध परिषद को भेजी जायेगी। पोतलवान होने के बाद 15 दिन के भीतर निर्यातकों द्वारा प्रभावी निर्यातों की सूचना संबंध परिषद को भेजी जाएगी।	

(1)	(2)	(3)	(4)
18. हाथ से बुने हुए वस्त्र (एकत्रिक और मिश्रित)	ख. 2429	ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद या इसके क्षेत्रीय कार्यालयों से पंजीकृत संविदाओं के मद्दे नियमित अनुमित किया जाएगा, बशर्ते कि परिषद द्वारा निर्धारित न्यूनतम मूल्य का पालन किया गया हो।	
19. कृष्णी कपास :—			
(1) बंगाल देशी (2) आसाम कोमीलास (3) स्टैपल कपास (4) अस्मि/जल के कारण जो कपास विवर्ण हो गई हो } (5) जोड़ो और स्वीपिंग (6) ग्रेको पिकिंग (7) अन्य	ख. 2437 (1)	निर्यात के लिए वांछित मर्दों के गुण/मात्रा के संबंध में वस्त्र आयुक्त द्वारा जारी किए गए पंजीकरण और आबंटन प्रमाणपत्र के मद्दे।	
	ख. 2437 (2) से (7) तक	निर्यात अनुमेष होगा।	
	ख. 2437 (2) से (7) तक	निर्यात के लिए वांछित मर्दों के गुण/मात्रा के संबंध में वस्त्र आयुक्त द्वारा जारी किए गए पंजीकरण और आबंटन प्रमाणिकरण के मद्दे नियमित अनुमेष होंगे।	
20. नरम कपास थ्रेड/गरम कपास वेस्ट	ख. 2445	निर्यात के लिए वांछित मर्दों के गुण/मात्रा के संबंध में वस्त्र आयुक्त द्वारा जारी किए गए पंजीकरण और आबंटन प्रमाणिकरण के मद्दे नियमित अनुमेष होंगे।	
21. कपास का गार्न जिसमें टाथर कोई गार्न शामिल है।	ख. 2453	60 एस तक के काउन्ट के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् बम्बई के पास पंजीकृत संविदाओं के संबंध में उसके द्वारा किए गए प्रमाणपत्र के मद्दे 60 एस से अधिक काउन्ट के के लिए निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई द्वारा जारी की गई व्यापार सूचना के अनुसार स्वतंत्र रूप से अनुमेष होंगे और निर्यातक पोतलदान की तारीख से 15 दिनों के भीतर निर्यातों के आंकड़े परिषद् को भेजेंगे।	
22. भारत-यूरोपीय आर्थिक समुदाय वस्त्र समझौते के अंतर्गत सूत, ऊन और मानव निर्मित रेशों (जिसमें पटसन, रेजम और फ्लेक्स शामिल नहीं हैं) से बने वस्त्रों और वस्त्र सामग्री का यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य राज्यों को निर्यात	ख. 2461 (3)	(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हक्कबारी के आबंटन के मद्दे :— (क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल नहीं हैं) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्। (ख) पोशाकों और बने हुए वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी बने हुए वस्त्र शामिल नहीं हैं) परिधान निर्यात संवर्धन परिषद्। (ग) ऊनी वस्त्रों, तैयार वस्त्रों और सलाई से बुने हुए वस्त्रों के लिए परन्तु जिसमें ऊनी पोशाकें शामिल नहीं हैं	
		ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् सभी प्रकार के कपड़ों और तैयार कपड़ों (जिसमें ऊनी कपड़े और तैयार कपड़े भी शामिल हैं) के लिए पोतलदान बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा बनाए जाएंगे और सभी पोशाकों और बुने हुए वस्त्र (जिसमें ऊनी पोशाक और बुने हुए वस्त्र शामिल हैं) के लिए ऐसे प्रमाणन परिधान निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा बनाए जाएंगे।	
		(2) निर्यात हक्कबारी के आबंटन के मामले में, निर्यात संवर्धन परिषदों द्वारा वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्ग-दर्शी निद्देशों का पालन किया जाएगा और न्यूनतम मूल्य प्रक्रिया के माध्यम से उचित वसूली करने का सुनिश्चय करने के प्रयास किए जाएंगे।	
		(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों, हथकरघा वस्त्रों से बने हस्तनिर्मित कुटीर उद्योग उत्पाद (पोशाकों से भिन्न) और परम्परागत लोक हस्तशिल्प वस्त्र सामग्री (भारतीय मर्दे) सांख्यिक प्रतिबन्ध के अधीन नहीं हैं। सभी हथकरघा तैयार वस्त्रों के निर्यात के मामले में संयोजन प्रपत्र के भाग-2	

(1)	(2)	(3)	(4)
			<p>में वस्त्र समिति द्वारा एक "निरीक्षण पृष्ठोक्त" अर्पित होगा। "भारतीय मर्चों के संबंध में, विकास आयुक्त (हस्त-शिल्प) द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाणपत्र अर्पित होगा।</p> <p>(4) भारतीय मर्चों से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्ट-करण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के, औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथा इंगित नमूनों के अनुसार होंगे।</p>
<p>2.3. भारत-संयुक्त राज्य अमरीका वस्त्र समझौते के अधीन सूत, ऊत व 2461(4) और मानव-निर्मित रेशों से बने (जिसमें पटमन, रेणम और पलेक्स शामिल नहीं हैं) वस्त्रों का संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात</p>			<p>(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आवंटन के मद्दे:—</p> <p>(क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल नहीं हैं) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्।</p> <p>(ख) पोशाकों और सलाई से बने हुए वस्त्रों के लिए (जिसमें सलाई से बने हुए ऊनी वस्त्र शामिल नहीं हैं) परिधान निर्यात संवर्धन परिषद्।</p> <p>(ग) ऊनी वस्त्रों, तैयार वस्त्रों और सलाई से बने हुए ऊनी वस्त्रों के लिए (लेकिन जिसमें ऊनी पोशाक शामिल नहीं है)।</p> <p>ऊत और ऊनी निर्यात संवर्धन तथापि ऊनी वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए पोतलदान बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जाएगा और सलाई से बने हुए ऊनी वस्त्रों के मामले में इस प्रकार का प्रमाणन परिधान निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जाएगा।</p> <p>(2) निर्यात हकदारी के आवंटन के मामले में निर्यात संवर्धन परिषद् वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों का पालन करेगी और न्यूनतम मूल्य प्रक्रिया के माध्यम से उचित वस्तुओं सुनिश्चित करने के लिए प्रमाण करेगी।</p> <p>(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों, ऐसे वस्त्रों से बने हस्तनिर्मित कुटीर उद्योग उत्पाद (पोशाकों से भिन्न) और कुटीर उद्योग के परम्परागत लोकहस्तशिल्प वस्त्रों की सामग्री (भारतीय मर्च) मौखिक प्रतिबन्धों के अधीन नहीं है। सभी हथकरघा तैयार वस्त्रों के निर्यात के मामले में संयोजन प्राप्त के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा एक निरीक्षण पृष्ठोक्त अर्पित होगा। "भारतीय मर्चों" के संबंध में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाण पत्र अर्पित होगा।</p> <p>(4) "भारतीय मर्चों" से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्ट-करण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के, औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथा इंगित नमूनों के अनुसार होंगे।</p>
<p>2.4. भारत और पाकिस्तान के बीच गन्तव्य जापान के अधीन कनिष्ठ व सूती वस्त्रों और वस्त्र सामग्री का पाकिस्तान को निर्यात</p>		<p>व 2461(5)</p>	<p>(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आवंटन के मद्दे:—</p> <p>(क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्, और</p> <p>(ख) पोशाक और सलाई से बने हुए वस्त्रों के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद् पोत-पट्टिदान बिलों पर प्रमाण-पत्र द्वारा/पोतलदान परिषद् बिलों पर प्रमाणपत्र द्वारा।</p>

(1)	(2)	(3)	(4)
			<p>(2) निर्यात हकदारी के आवंटन के मामले में निर्यात संबंधित परिषद् वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी निद्देशों का अनुपालन करेगी और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम से उपयुक्त वस्त्रों के लिए प्रयास करेगी।</p> <p>(3) कूटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्र, ऐसे हथकरघा वस्त्रों से बने हस्त-निर्मित सूती वस्त्र उत्पाद और परम्परागत लोक हस्तशिल्प वस्त्र उत्पाद "भारतीय मर्च" के रूप में जाने वाले मासिक प्रतिबंधों के अधीन नहीं हैं। सूती हथकरघा उत्पादों के लिए संयोजन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा "निरीक्षण पृष्ठांकन" आवश्यक होगा। "भारतीय मर्च" के मामले में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के कार्यालय या वस्त्र समिति द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाणपत्र अपेक्षित होगा।</p> <p>(4) "भारतीय मर्च" में भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विनिर्दिष्ट-करण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथावहित समूहों के अनुसार होंगे।</p>
25. भारत-स्वीडन वस्त्र समझौते के अधीन सूती ऊनी, मानव-निर्मित रेशे या उनके मिश्रण के कुछ वस्त्र उत्पादों का स्वीडन को निर्यात	ख.2461(6)		<p>(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के सहित:--</p> <p>(क) तैयार (तैयार ऊनी वस्त्रों को छोड़कर) वस्त्रों के लिए सूती वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद्;</p> <p>(ख) पोशाकों और सलाई से बने हुए वस्त्रों (सलाई से बने हुए ऊनी वस्त्रों को छोड़कर) के लिए परिधान निर्यात संबंधित परिषद्; और</p> <p>(ग) तैयार ऊनी वस्त्रों और सलाई से बने हुए ऊनी वस्त्रों के लिए ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद्।</p> <p>लेकिन पोट परिवहन बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सभी तैयार वस्त्रों (तैयार ऊनी वस्त्रों सहित) के लिये सूती वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद् द्वारा और सभी पोशाकों और सलाई से बने हुए वस्त्रों (ऊनी पोशाकों और सलाई से बने हुए वस्त्रों सहित) के लिये परिधान निर्यात संबंधित परिषद् द्वारा किया जायेगा।</p> <p>(2) निर्यात हकदारी के आवंटन के मामले में निर्यात संबंधित परिषद् वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किये गये मार्गदर्शी निद्देशों का अनुपालन करेगी और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम से उपयुक्त वस्त्रों के लिये प्रयास करेगी।</p> <p>(3) वस्त्र समिति द्वारा हथकरघा कपड़े और तैयार कपड़े का निर्यात संयोजन प्रपत्र के भाग-2 में अपेक्षित होगा। भारतीय मर्च के निर्यात के लिये विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के कार्यालय द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाणपत्र आवश्यक होगा।</p> <p>(4) भारतीय मर्च में भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विनिर्दिष्ट-करण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के, औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथावहित समूहों के अनुसार होंगे।</p>



(1)	(2)	(3)	(4)
26. भारत और फिनलैंड के बीच समझौता ज्ञापन के अधीन सूती और तैयार रेशों के वस्त्र उत्पादों का फिनलैंड का निर्यात	ख. 2461(7)	<p>(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के घाबंटन के मद्दे :—</p> <p>(क) पोशाकों और सफाई से बुने हुए वस्त्रों के लिये परिधान निर्यात संवर्धन परिषद् ।</p> <p>(ख) बुलन स्टाकों के लिये ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् ।</p> <p>लेकिन पोत परिवहन बिनों पर आवश्यक प्रमाणन सभी पोशाकों अथवा सफाई से बुने हुए उत्पादों के लिये परिधान निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जायेगा ।</p> <p>(2) निर्यात हकदारी के घाबंटन के मामले में निर्यात संवर्धन परिषद् वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किये गये मार्गदर्शी सिद्धान्तों का अनुपालन करेगी और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम से उपयुक्त बसुली के लिये प्रयास करेगी ।</p>	
27. हथकरघा पर निर्मित असली मद्रासी रुमाल (भार.एम.एच.के) का निर्यात	ख. 2461(8)	<p>(3) गुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों से बने हस्तनिर्मित कुट्टा-उद्योग उत्पादन (ब्लाउज और कमिजों और परम्परागत लोक हस्तशिल्प वस्त्र उत्पादों से भिन्न) भारतीय मर्चें मासिक प्रतिबन्धों के अधीन नहीं हैं । हथकरघा कपड़े, तयार कपड़े और पोशाकों जिनके लिये जिलापट स्तर दिया गया है उनके लिये वस्त्र समिति द्वारा संचालित प्रपत्र के भाग-2 में निरीक्षण पृष्ठकमें प्रेषित होगा । "भारतीय मर्चों के प्रत्येक वस्त्र उत्पादों के मामले में, वस्त्र समिति या वस्त्र आयुक्त (हस्त शिल्प) से एक प्रमाणपत्र आवश्यक होगा ।</p> <p>(4) भारतीय मर्चों से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन ही गई श्रेणी के अनुसूच और विशिष्टीकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के, औद्योगिक, गृहभागत पोशाकों वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर पर यथावर्णित नमूनों के अनुसार होंगे ।</p> <p>हथकरघा पर निर्मित असली मद्रासी सूती रुमाल (भार.एम.एच.के) का कोटोमू, लोमा एच एसिरा (घाना) को दोनों अपरिवर्तनीय साक्ष्यक की शर्तों एवं सी.ए.सी. (वस्तावेजों के मद्दे रोकड़) शर्तों के अन्तर्गत निर्यात किया जायेगा बशर्ते कि निर्यातक यह घोषणा-पत्र प्रस्तुत करे कि निर्यात किये जा रहे असली मद्रासी रुमाल हथकरघा पर निर्मित हैं । वस्तावेजों के मद्दे रोकड़ शर्तों पर भार.एम.एच.के का निर्यात केवल निर्यात गृहण एवं गारंटी परिषद् लि. (ई.सी.जी.सी.) द्वारा जारी कवर प्रस्तुत करने पर ही एक सीमा तक अनुमित किया जायेगा ।</p>	
28. भारत और कनाडा के बीच समझौता ज्ञापन के अधीन सूती, ऊनी और मानवनिर्मित रेशों या उनके मिश्रण के कुछ उत्पादों का कनाडा को निर्यात	ख. 2461(9)	<p>(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के मद्दे :—</p> <p>(क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल नहीं हैं) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् ।</p> <p>(ख) पोशाकों और गलाई से बुने हुए वस्त्रों (जिनमें सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्र शामिल नहीं हैं) के लिये परिधान निर्यात संवर्धन परिषद् ; और</p> <p>(ग) ऊनी वस्त्रों और तैयार वस्त्रों और सलाई से बुने हुए वस्त्रों (लेकिन जिसमें ऊनी पोशाक शामिल नहीं हैं) के लिये ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् ।</p> <p>लेकिन, पोत परिवहन बिनों पर आवश्यक प्रमाणन सभी वस्त्रों और तैयार वस्त्रों (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल हैं) के लिये सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जायेगा और पोशाकों एवं गलाई से बुने हुए वस्त्रों के मामले में ऐसा प्रमाणन परिधान निर्यात संवर्धन परिषद्, बाड़ा किया जायेगा ।</p>	

(1)

(2)

(3)

(4)

29. भारत और बाह्य के बीच समझौते के अधीन कुछ वस्त्र और वस्तु उत्पादों का नामों की निर्यात

ख. 2461(10)

(2) निर्यात हकदारी के प्राबल्य के मामले में निर्यात संबंधित परिषद् वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किये गये मार्गदर्शी सिद्धान्तों का अनुपालन करेगी और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम उपयोग वसूली के लिये प्रयास करेगी।

(3) वर्गी द्वारा सिली हुई शर्टों के श्रेणी और परम्परागत लोक प्रचलित हस्तशिल्प वस्त्र उत्पाद को छोड़कर (जो भारतीय मर्दों के नाम से जाने जाते हैं) कुटीर उद्योग के हथकरघा के वस्त्र, ऐसे हथकरघा वस्त्रों से निर्मित हस्तशिल्प निर्मित कपड़ा और वस्त्र उत्पाद मालिक प्रतिबन्धों के अधीन नहीं हैं। श्रेणी-1 को छोड़कर सभी हथकरघा वस्त्रों, तैयार वस्त्रों और प्रतिबन्धित मर्दों के समरूप तैयार पोशाकों के निर्यात के मामले में संयोजक प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा "निरीक्षण पृष्ठान्त" आवश्यक होगा। भारतीय मर्दों के संबंध में विकास आयुक्त हस्तशिल्प कार्यालय द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाणपत्र आवश्यक होगा।

(4) "भारतीय मर्दों" से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अन्तर्गत और विनिर्दिष्टकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के औद्योगिक संस्थान पोशाकों, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर धारित नमूनों के अनुसार होंगे।

(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के प्राबल्य के मुद्दे—

(क) तैयार वस्तुओं के लिये मूली वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद्।  
(ख) ऊनी सलाई से बुने हुए पहनावा को छोड़कर पोशाकों और सलाई से बुनी हुई पोशाकों के लिये परिधाय निर्यात संबंधित परिषद्।

(ग) ऊनी तैयार वस्त्र और सलाई से बुने हुए ऊनी पोशाका (किन्तु ऊनी पोशाकों को छोड़कर) के लिए ऊनी और ऊनी वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद्।

पोत परिवहन बिलों पर अपेक्षित प्रमाणन भेज अप्स के लिए सूची वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद् द्वारा किया जायेगा और पोशाकों व सलाई से बने हुए ऊनी वस्त्रों के संबंध में ऐसा प्रमाणन परधान निर्यात संबंधित परिषद् द्वारा दिया जायेगा।

(2) निर्यात हकदारी निर्धारण के मामले में निर्यात संबंधित परिषद्, वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किये गये मार्गदर्शी सिद्धान्त बिल्टों का पालन करेगी और निम्नतर (क्लोड) मूल्य पद्धति के माध्यम से उचित वसूली का सुनिश्चय करने के लिये प्रयास करेगी।

(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा के वस्त्र, कुटीर उद्योग में श्रम से बनाये गये ऐसे वस्त्रों के उत्पाद (विशेष सीमा की शर्त के अधीन पोशाकों की मर्दों से भिन्न) और कुटीर उद्योग के लोक परम्परागत हस्तशिल्प के वस्त्र (भारतीय मर्दों) भारत प्रतिबन्धों के अधीन नहीं हैं। जहां तक हथकरघा के मैड-क्रपा और निगरानी के हथकरघा की पोशाकों के निर्यातों का संबंध है इनके मामले में कार्मनिशत प्रपत्र भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा निरीक्षण पृष्ठान्त की आवश्यकता होगी। भारतीय मर्दों के संबंध में विकास आयुक्त, हस्तशिल्प के कार्यालय द्वारा जारी किये गये उपयोग प्रमाणपत्र का आवश्यकता होगी।

(4) "भारतीय मर्दों" से भिन्न पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय करार के अन्तर्गत वर्गीकरण के अनुसार हथकरघा वस्त्र के अवगम, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों के नमूनों पर स्यानिविष्ट औद्योगिक/संस्थानीय पोशाकों के समरूप होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)
30. (1) आयातित बिस्लेट से बने रोडम तथा बार्न	ख. 2488(2)	अग्रिम लाइसेंस के यह कर छूट स्कीम के अधीन लाइसेंस से निर्दिष्ट जहाज पर्यन्त निशुल्क भूतय सीमा तक आयातित बिस्लेट्स से निर्मित बार्न और राइस का निर्यात।	
(2) साइट रेल (20 कि. या. या इससे कम)	ख. 2488(3)	निर्यात करत सम्पूर्ण रेल के वास्तविक कार्य के लिये संयुक्त निर्यात संविदा के भाग के रूप में अनुमति है।	
31. धातु स्केप (लौहा कतरन से भिन्न) जिसमें 0.50% से अधिक निकल या 0.20% से अधिक मॉलिब्डेनम अथवा 1.00 प्रतिशत टंगस्टन या 0.20 प्रतिशत बनेडियम या 1.00 प्रतिशत कोबाल्ट की मात्रा हो और मिश्र स्केल स्केप।			
(1) निकल केरमियम ब्रेटरी स्केप	ख. 2526	(1) मान्यता प्राप्त लोक विश्लेषण से इस बार्न से यह प्रमाण-पत्र की स्केप इस मंत्र के अधीन दिने गये विनिर्दिष्टकरण के अनुसूच है।	
(2) प्लेटिनम स्केप	घ. 2526	(2) निर्यात इस बार्न के अधीन अनुमति है कि 100% पूर्ण परिष्कृत और पुनः आकार में करने के बाद कम परिष्कृत किये हुए स्केप तुक्की साल को भारत में पुनः आयात किया जायेगा।	
(3) निकल पैलेट्स की छोड़कर निकल स्केप	ख. 2526	(3) निर्यात इस बार्न के अधीन अनुमति है कि 100% पूर्ण परिष्कृत और पुनः आकार में करने के बाद कम परिष्कृत किये हुए कतरन के तुक्की साल को निकल पाट एनोडम के रूप में भारत में आयात किया जायेगा।	
32. धातु संबंधी अवशेष अर्थात्, डामिज, स्क्रिनिंग स्वेप्स, राख निचमन और फल्ट्रेंट (सोने और चांदी से भिल को रोड कर) जिसमें 15% से कम मुक्त धातु मात्रा हो।	ख. 2531	निर्यात शीघ्रे बिक्री/विदेश में मार्केटिंग के लिये अनुमति है और परिष्कृत धातु का पुनः आयात निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा -- (क) धातु संबंधी अवशेष में मुक्त धातु की मात्रा भार में 15% से कम है और पर यन्त्रिय निर्यातन स्थिति में रहे। (ख) क्रिया की मान्यता प्राप्त विश्लेषक से यह प्रमाणित करने हुए कि धातु संबंधी अवशेष में मुक्त धातु मात्रा भार में 15% से कम है और यह निर्यात-निर्यात स्थिति में है और अवशेष का 100% रासायनिक मिश्रण है एक सम्पूर्ण विश्लेषक रिपोर्ट निर्यातक द्वारा अन्य पोत परिष्कृत बस्तावेजों के साथ भेजी गई है। विश्लेषक द्वारा 1/6" जार्नी की छलनी को उपयोग में लाया जाना है और इस नथ्य का उल्लेख रिपोर्ट में किया जाता है। (ग) परिष्कृत साल के पुनः आयात के लिये और अथवा परिष्करण के पुनः आयात के लिये और अन्य खर्चों आदि के लिये कोई भी विदेशी मुद्रा अनुमति नहीं की जायेगी और निर्यातक द्वारा ऐसे खर्च धातु संबंधी अवशेष परिष्कृत धातु के आकार में अदा किये जायेंगे। परिष्कृत धातु का आयात संबंधित क्षेत्री लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी सीमाशुल्क निकासी परिमिट की शर्त के अधीन होगा। (घ) विदेश में धातु संबंधी अवशेष/परिष्कृत धातु को विदेश से अर्जित विदेशी मुद्रा को भारत में वापस लाया जायेगा। (ङ) निर्यातक भारतीय रिजर्व बैंक के जो आर प्रपत्र की तीसरी प्रति धातुपालन करेगा और जो आर प्रपत्र की तीसरी प्रति के साथ परिष्कारक से लेख के अंतिम समझौते के साथ प्राथमिक अंतिम भार और परख की अंतिम रिपोर्ट भी निर्यातक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को भेजी जानी चाहिये।	
33. आयात-निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-22 के उपबन्ध 6 और 7 में उल्लिखित आग्रे के आभूषण और चांदी	ख. 256	निर्यात आयात एवं निर्यात नीति 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-22 के उपबन्ध 6 और 7 में दी गई गाइडलाइन्स के अनुसार अनुमति है।	
34. स्वर्ण आभूषण तथा जस्तु	ख. 258	इस योजना के अन्तर्गत आयात-निर्यात नीति 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-22 के उपबन्ध-1 तथा उपबन्ध-3 में की गई व्यवस्था के अनुसार विदेशी केंद्र तथा स्वर्ण आभूषण	

- नियमित संवर्धन तथा प्रतिपुति स्कीम के मद्दे स्वर्ण आपूर्णों तथा वस्तुओं का निर्यात अनुमित किया जायेगा। कर मुक्त स्कीम के मद्दे निर्यात आयात-निर्यात नीति खण्ड-1 के परिशिष्ट-19 के प्रावधानों द्वारा संसाधित होगा।
35. अस्त्र तथा गोलाबारूद अर्थात् मज्जल लोडिंग हथियार तथा बबीव लोडिंग या बोल्ट एक्शन हथियार जैसे शॉट गन, राइफल रिवाल्वर, पिस्टल तथा उनका गोला-बारूद। ख. 260
36. अटिक हथियारों के रप्लीकस ख. 260
37. अस्त्र लाइसेंसिंग स्कीम/पास बुक अथवा किसी अनुमोदित शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट के अधीन आयात की गई दालों में संसाधित दालें। ख. 2674
- (1) प्रस्तुति पर निर्यात अनुमित किया जायेगा :  
(क) अग्नेयस्त्र अधिनियम तथा नियमों के अन्तर्गत उपयुक्त लाइसेंस।  
(ख) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से इस आशय का प्रमाण-पत्र की निर्धारित किये जाने वाले अस्त्र पुरावशेष प्रौर/या दुर्लभ वस्तुओं के नहीं हैं :  
(ग) प्रमाण-पत्र भारत में 1956 के बाद विनिर्मित बाइबल तथा अग्नेयस्त्रों के लिये जरूरी नहीं होगा। इन मामलों में निर्यातक द्वारा स्थानीय लाइसेंस अधिकारी से इस आशय का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने पर कि अग्नेयस्त्रों का निर्माण भारत में ही 1956 के बाद किया गया है, अनुमित किया जायेगा।  
(घ) निर्माण किये जाने वाले अग्नेयस्त्र पर उपयुक्त शिमाका निशान तथा प्रकृष्ट हैस्ट निर्दिष्ट होना चाहिये।
- (4) निर्यात जिला मैजिस्ट्रेट, जिलाधीश या पुलिस उपयुक्त जिसके क्षेत्राधिकार में रप्लीकस का उत्पादन इस आशय से किया गया कि रप्लीकस अग्नेयस्त्र के रूप में हानि रहित है तथा निवेशक निरीक्षण रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा नमूने के रूप में निरीक्षण किया गया तथा निर्धारित प्रपत्र में प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये जाने पर अनुमित किया जायेगा। प्रमाण-पत्र प्रस्तुत प्रपत्र की एक प्रति (1) उस जिला मैजिस्ट्रेट और या एक पुलिस आयुक्त जिसके क्षेत्राधिकार में निर्यात का स्थल स्थित है को साथ-साथ भेजी जायेगी।
- निर्यात लाइसेंस में विनिर्दिष्ट लागत-सीमा भाड़ा मूल्य के समतुल्य अस्त्र लाइसेंसिंग स्कीम/पासबुक या अनुमोदित शतप्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट के अन्तर्गत निर्यात अनुमित है।  
नोट : स्वदेशी दालों में से संसाधित दालों का निर्यात अनुमित नहीं किया जायेगा।

#### अन्य सामान्य लाइसेंस सं. - 4

कायम 4 में उल्लिखित सारणीबद्ध अभिकरण, उन देशों को छोड़कर जिनको इस समय लागू किसी भी कानून द्वारा निर्यात प्रतिबंधित है, किसी भी देश को नीचे लिखे भारत का निर्यात कर सकते हैं अर्थात् :—

क्रम सं.	मद्	अनुसूची -1 के भाग-ख के अनुसार क्रम सं.	सारणीबद्ध अभिकरण का नाम तथा पता
1	2	3	4
1. प्याज		ख-2070	भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी
2. गम कणिका		ख-2696	विपणन फैडरेशन लि. (नफेड) सपना विल्डिंग, 54, हैस्ट मार्ग कैलाश, नई दिल्ली।
3. पोती		ख-216X (1)	
4. अरुंधी का तेल (जब खपत मृगमाल क्षेत्र को नियमित किया जाय)		ख-2143 (2)	

1	2	3	4
5. 1 गीरा	म-2173(1)		
2. गीरा	म-2178(2)		
6. ईसाईय एकोन या किसी भी एक गिरीय नर नियुक्ति	म-2208(1)		
मिषिट, जारे निकल गये हो या नहीं।			
7. वेजिन	म-2305(2)		
8. पटसन कापेंट बेकिंग कनाथ जब यह उसकी अमेरिका के			
देशों को निर्यात किया गया हो।	म-247X(2)		
टिप्पणी:— अन्य देशों को निर्यात विनियमित आधार पर प्रमिल			
है।			
9. मिमेल	म-2259		
10. पोनिविलीन (एल जी)	म-2305(9)		
11. स्नेहक ग्रीज और अपरिक्लन (कुट)नेल सहित सभी पेट्रोनिमम	म-2291		
उत्पाद।			
12. लोहा तथा इस्पात, निम्नलिखित कास्ट लोहा पाईप एवं			
फिटिंग्स का छोड़कर:—			
संघटित इस्पात संयंत्रों द्वारा उत्पादित इस्पात, आयल इस्पात	म-2484(1)		
संयंत्र, लघु इस्पात संयंत्र, अनुपेक्षी उत्पादनकर्ता तथा जी-			
नेलम।			
13. रेलवे डीगम सवारी डिब्बे तथा लोकोमोटिव	म-2542		
14. निम्न खनिज अर्थ तथा कन्सल्टेंट्स			
(1) ग्युटाईन सिन्थेटिक ग्युटाईन	म-2267		
(2) थोरियम अयस्क तथा कन्सल्टेंट			
(3) थायमियम अयस्क के रूप में निम्नलिखित कन्सल्टेंट्स या			
अनुपेक्षी कुछ अन्य खनिज इनके सहित:—			
(क) कालमजार्ड			
(ख) मोनोजार्ड,			
(ग) स्पेस्काईट			
(घ) थोरियम अयस्क अयस्क:—			
(1) थोरियम अयस्क एवं कन्सल्टेंट्स			
(2) थोरियम अयस्क एवं कन्सल्टेंट्स			
(3) थोरियम अयस्क एवं कन्सल्टेंट्स			
(4) तांबे या सोने के परिष्करण के बाद थायमियम से बचे			
हुए थोरियम अयस्क थोरियम			
(5) थोरियम अयस्क की सेवा थोरियम निम्न सहित थोर-			
कान अयस्क एवं कन्सल्टेंट्स।			

भारतीय राज्य व्यापार निगम लि., कन्दलीक, 36 जलपथ, नई दिल्ली।

1. राज्य व्यापार निगम  
2. इजिप्शियन प्रोजेक्ट (इजिप्शियन) लि. उनके द्वारा विदेशों में ली गई केवल विनिर्माण परियोजनाओं में प्रयोग के लिए) "कैलाश 26" कन्सल्टेंट्स गैरि मांग, नई दिल्ली।

भारतीय पेट्रोकेमिकल कांफिगन लि. पी. ओ. पेट्रोकेमिकल, जिला बड़ोदा (गुजरात)।

भारतीय तेल निगम, लि. भारतीय तेल भवन, जलपथ, नई दिल्ली।

स्टील अथो रिटी, इस्पात भवन मोदी रोड नई दिल्ली।

भारतीय परियोजना एवं उपकरण निगम लि., हंसाथ, 19 बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली।

इजिप्शियन रेल्वे अर्थ निमिटेड, पिलकोर्ट छत्री मंत्रालय-3 महर्षि कावे रोड, बम्बई-20

केरल खनिज एवं धातु लि., वरी रोड 691001 (केरल)



1	2	3	4
	(4) भारतीय रेडिय अर्थ सभित एव धातु वि एव केस धातु एव धातु वि एव धातु वि एव धातु वि एव धातु वि		
	(5) जहाज, वायुयान, तटीय वि एवं वायुयान सभित को निर्यात करने समय गोला मृत् के लोह अयस्क से मिल लोह अयस्क।		सविज एव धातु, व्यापार निगम, एकरैय भवन, गृहाद्वार गार्ह जकर गार्ह गई दिल्ली।
	(6) गोला मृत् की 3% से 10% तक की भौगोलीय तत्वों सहित धातु अयस्क (आईमेटल ओ)। (काला लोह अयस्क)		—तद्वैव—
	(7) कोर्स अयस्क एवं निम्नलिखित कम्प्लेट्स—		—तद्वैव—
	(1) सी आर 2 और 3 सभित कोर्स अयस्क लम्ब 41 99% से अधिक नहीं		
	(2) कोमार्टिट फाईन्स एवं फाईन्स अयस्क		
	(8) गन्धानिध संसाधित भौगोलीय हाई ब्रॉक्साईट को छोड़कर भौगोलीय अयस्क।		
	(9) कैल्सिड ब्रॉक्साईट सभित सभी श्रेणी के ब्रॉक्साईट		—तद्वैव—
15.	कोयला एवं कोक	ख-2283(3)	
16.	(1) 40% या कम के फैरस बावे निम्न श्रेणी के परिष्करण ख-2267 और/या घनीकरण द्वारा तैयार लोह अयस्क कम्प्लेट्स जिनका उत्पादन कच्चे लोह अयस्क के वि. द्वारा किया गया है।		कच्चे लोह अयस्क के वि. (के आई ओ सी एल), कोरा मंगला रोड, बंगलौर
	(2) कच्चे लोह अयस्क के वि. (के आई ओ सी एल) ख-2267 एवं द्वारा उत्पादित कम्प्लेट्स से विनिर्मित लोह अयस्क पैलेट्स		—तद्वैव—
17.	(1) निर्मित और गढ़े हुए अयस्क को छोड़कर संधानिधन ख-2275(1) अयस्क जिसमें सभी वर्ग और किस्मों के अयस्क ब्रॉक्सा अयस्क फिल्म एन स्पिडिक्स शामिल हैं।		भारतीय अयस्क व्यापार निगम लिमिटेड 137, पाकिस्तानी कालोनी पटना।
	(2) अयस्क वेस्ट (फैक्टरी कटिंग सभित) और स्क्रैप जो ख-2275(ii) अयस्क संशोधित करने हुए प्राप्त की जाती हैं और आकार एवं रंग के कारण संशोधित अयस्क के निर्माण- करण में काम नहीं आती हैं।		
18.	(1) भारतीय फीचर फिल्म के विदेशी राईट्स की विक्री ख-2348(1) सहित एक्सपोज्ड फिनेमाटोग्राफिक फिल्मस (फीचर फिल्मस), फिल्मों जो 20 लाख रुपये तक की लागत पर निर्मित होती हैं को छोड़कर।		राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, प्रथम तल, 13-16 रिजेंट बेम्ब्रू, नारायण प्लाईड, बम्बई-400021
	(2) विदेशी ट्रेड फिनेमा फिल्मों के निर्यात सभित ख-2348(2)		
19.	कैरीज को छोड़कर कच्चा पटसन सैट्स और पटसन की ख-2477(1) कमरने।		भारतीय पटसन निगम 1, गौडमपीन नारायणी, कलकत्ता।

**MINISTRY OF COMMERCE**  
**EXPORTS (CONTROL) ORDER, 1988**

New Delhi, the 30th March, 1988

**EXPORT TRADE CONTROL No. 1/88-ETC**

S.O. 322(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the Exports (Control) Order, 1988.

(2) It shall come into force on 30th March, 1988.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947);
- (b) "Collector of Customs" has the same meaning as assigned to it in the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- (c) "An Authorized officer" means an officer not below the rank of Deputy Chief Controller of Imports & Exports authorized by the Chief Controller of Imports & Exports;
- (d) "licence" means an export licence granted under this Order;
- (e) "Licensee" means a person to whom a licence is granted under this Order;
- (f) "Licensing Authority" means an authority competent to grant a licence under this Order;
- (g) "Schedule" means a schedule to this Order;
- (h) "value" has the same meaning as in sub-section (1) of section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- (i) Words and expressions used in this order and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Restrictions on export of certain goods.—

(1) Save as otherwise provided in this Order no person shall export any goods of the description specified in Schedule I, except under and in accordance with a licence granted by the Central Government or by an officer specified in Schedule II.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-clause (1) goods specified in Schedule III may be exported on fulfilment of the terms and conditions specified therein.

(3) If in any case, it is found, that the value, sort specification, quality and description of the goods to be exported are not in conformity with the declaration of the exporter in those respects or the quality and specification of such goods are not in accordance with the terms of the export contract, the export of such goods shall be deemed to be prohibited.

4. Conditions of licence.—(1) A licence granted under this Order may contain such conditions, not inconsistent with the Act or this Order, as the licensing authority may deem fit.

802 GI/88--4

(2) It shall be deemed to be a condition of every licence that—

- (a) no person shall transfer and no person shall acquire by transfer any licence issued by the licensing authority except under and in accordance with the written permission of the authority which granted the licence.
- (b) the goods for the export of which the licence is granted shall be the property of the licensee at the time of the export.

(3) The licensee shall comply with all conditions imposed or deemed to be imposed under this clause.

5. Refusal of licence.—The licensing authority may refuse to grant a licence—

- (a) if the application for the licence does not conform to any provision of this Order;
- (b) if such application contains any false, or fraudulent or misleading statement;
- (c) if the applicant uses in support of the application any document which is false or fabricated or which has been tampered with;
- (d) if the licensing authority considers that the grant of the licence will not be in the interest of the country;
- (e) if the activities of the applicant are prejudicial to the interest of the State;
- (f) if the applicant has, on any occasion committed breach of any law (including any rule, order or regulation) relating to customs or foreign exchange;
- (g) if the applicant on any occasion has tampered with an export licence or has exported goods without a licence, or has been a party to any corrupt or fraudulent practice in his commercial dealings or in obtaining any licence or found to have solicited licences by offering an inducement to the holder of licence or otherwise;
- (h) if any agent or employee of the applicant has been a party to any corrupt or fraudulent practice in obtaining the licence for the applicant;
- (i) if the application for an export licence is defective and does not conform to the prescribed rules;
- (j) if the applicant contravenes or attempts to contravene or abets the contravention of any order made or deemed to have been made under the Act or any condition of a licence granted under any such order or commits a breach of the Export Trade Control Regulations;
- (k) if the applicant is not eligible for a licence in accordance with the Export Control Regulations;
- (l) if the licensing authority decides to canalize export through special or specialized agencies or channels;
- (m) if the applicant is a partner in a partnership firm, or a whole-time director or managing

director of a private limited company which is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9;

- (n) if the applicant is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9;
- (o) if the applicant is a partnership firm or a private limited company, any partner or whole-time director or managing director where of, as the case may be, is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9;
- (p) if any amount demanded from the applicant under the Customs Act, 1962, or any penalty imposed on him under the said Act has remained unpaid for a period of three months;
- (q) if the applicant fails to produce any document that is called for by the Chief Controller of Imports and Exports or the Licensing Authority; and
- (r) if the applicant fails to pay any penalty finally imposed on him under the Act.

6. Amendment of Licence.—The licensing authority may, of its own motion or on application by the licensee, amend any licence granted under this order in such manner as may be necessary to make such licence conform to the provisions of the Act or this Order or any other law for the time being in force or to rectify any errors or omissions in the licence.

Provided that the licensing authority may on request by the licensee amend the licence in any manner consonant with the Export Trade Control Regulations.

7. Power to debar from receiving licences or exporting goods.—The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or an authorized officer may debar a licensee or exporter or any other person from all or any of the following, i.e., receiving the licences or from exporting any goods; and direct without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, that no licence shall be granted to him or no permission shall be granted to him for exporting any goods, for a specified period under this Order :—

- (a) if his application for licence is at any time found to be not in conformity with any provisions of this Order; or
- (b) if such application is found to contain any false, fraudulent or misleading statement; or
- (c) if he is found to have used in support of his application any document which is false or fabricated or which has been tampered with; or
- (d) if he has, on any occasion, tampered with an export licence or has exported goods without a licence or has been a party to any corrupt or fraudulent practice in his commercial dealings or in obtaining a licence, or in exporting any goods, or is found to have solicited any licence by effecting an inducement to the holder of the licence or otherwise; or

(e) if his agent or employee has been a party to any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence or in exporting any goods on his behalf; or

(f) if he fails to comply with or contravenes or attempts to contravene or abets the contravention of any condition embodied in, or accompanying a licence or an application for licence; or

(g) if he commits a breach of any law (including any rule, order or regulation) relating to customs or the import and export of goods or foreign exchange; or

(h) if he fails to produce any document that is called for by the Chief Controller of Imports and Exports or any other licensing authority;

(i) if he commits a wilful breach of the export contract entered into between him and the other party.

Note : In this clause, the expression "Application for licence" includes any application made under the Export Trade Control Regulations.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or an authorized officer may, by special order in writing,—

(a) debar—

(i) a person in respect of whom an order of detention has been made under the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) (hereinafter referred to as the 1974-Act); or

(ii) a partnership firm or a private limited company of which such person is a partner or a whole time director or managing director, as the case may be, from receiving licence or from exporting any goods; and

(b) without prejudice to any other action that may be taken against such person, partnership firm or company, direct that no licence or permission for exporting any goods shall be granted to such person, partnership firm or company,

for such period as may be specified in such special order :

Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a whole time director or managing director, when the order of detention made against such person—

(i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or section 12A of the 1974-Act do not apply has been revoked on the report of the Advisory Board under section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board or before making a reference to the Advisory Board; or

(ii) being an order of detention to which the provisions of section 9 of the 1974-Act

apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8 read with sub-section (2) of Section 9 of that Act; or

- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974 Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of the first review under sub-section (3) of that section or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (6) of Section 12A, of that Act; or
- (iv) has been set aside, by a court of competent jurisdiction.

(3) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorized officer may debar a licensee or exporter or any other person from receiving licences or from exporting any goods and direct, without prejudice to any other action that may be taken against such person in this behalf, that no licence shall be granted to such person or no permission shall be granted to such person for exporting any goods for a specified period under this order, if in the opinion of the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorized officer—

- (a) such licensee, exporter or other person; or
- (b) where such licensee, exporter or other person is a partnership firm or a limited company, any partner or whole time director or managing director thereof, as the case may be; or
- (c) where such licensee, importer or other person is a partner in a partnership firm or a whole time director or managing director of a limited company, such partnership firm or limited company, as the case may be;

has—

- (i) failed, without sufficient cause, to utilise or to utilise fully, any export licence granted to such licensee, exporter or other person or such partner or whole time director or managing director or such partnership firm or limited company as the case may be; or
- (ii) committed any act referred to in paragraph (i) of such-clause (3) of clause 8 of the Imports (Control) Order, 1955.

8. Power to suspend grant of licences or permission to export goods.—The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorized officer may suspend the grant of licences or permission to export goods to a licensee or exporter or any other person, pending investigation into one or more of the allegations mentioned in clause 7 without prejudice to any other action that may be taken in this behalf—

Provided that grant of a licence and permission to export goods shall not ordinarily be suspended under this clause for a period exceeding twelve months :

Provided further that on the withdrawal of such suspension a licence may be granted to him for the period of suspension subject to such conditions, restrictions or limitations as may be decided by the authority aforesaid keeping in view of the relevant economic factors.

9. Power to keep in abeyance, applications for licences for exporting goods.—Where any investigation into any of the allegations mentioned in clause 7 is pending against a licensee or exporter or any other person, and the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorized officer is satisfied that without ascertaining further details in regard to such allegation the grant of licence or permission to export goods will not be in the public interest then, notwithstanding anything contained in this order, the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorized officer may keep in abeyance any application for grant of licence or permission to export goods of such person without assigning any reason, and without prejudice to any other action that may be taken in this behalf :

Provided that the period for which the grant of such licence or permission to export goods is kept in abeyance under this clause shall not ordinarily exceed six months.

10. Publicity of action taken under clause 7 or 8.—(1) If the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient in the public interest to publish the name of any person or class of persons and other relevant particulars, against whom action under clause 7 or 8 is taken, it may publish or cause to be published, the name of such person or class of persons and such particulars in such manner as it thinks fit.

(2) No publication under sub-clause (1) shall be made in relation to, any such action until the time of presenting an appeal, if any, to the appellate authority has expired without an appeal having been presented or, the appeal, if presented, has been disposed of.

Explanation.—In the case of a firm, company or other association of persons, the names of the partners of the firm, directors, managing agents, secretaries and treasurers or manager of the company, or the members of the association, as the case may be, may also be published if, in the opinion of the Central Government the circumstances of the case justify it.

11. Cancellation of licences.—(1) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or an authorized officer may cancel any licence granted under this order or otherwise render it ineffective :—

- (a) if the licence has been granted through inadvertence or mistake or has been obtained by fraud or misrepresentation ;
- (b) if the licence has been granted contrary to rules or the provisions of this Order,
- (c) if the licensee has committed a breach of any of the conditions of a licence;
- (d) if the Central Government or such officer is satisfied that the licence will not serve the purpose for which it has been granted;



- (c) if the licensee has committed a breach of any law relating to customs or the rules and regulations relating to the import or export of goods or any law relating to the regulation of foreign exchange :

Provided that notwithstanding anything contained in this Order, the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorized officer may, if satisfied that it is expedient so to do in the public interest cancel any licence or render it ineffective without assigning any reason.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorized officer may by special order in writing render ineffective any licence granted under this order to—

- (a) a person, if an order of detention has been made under the 1974-Act in respect of such person; or
- (b) a partnership firm or a private limited company of which such person is a partner or a whole time director or managing director as the case may be :

Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person or, as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a director, when the order of detention made against such person,—

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or section 12A of the report of the Advisory Board under section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board or before making a reference to the Advisory Board; or
- (ii) being an order of detention to which the provision of section 9 of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8, read with Sub-section (2) of section 9 of that Act; or
- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the first review under sub-section (3) of that section, or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (6) of section 12A, of that Act; or
- (iv) has been set aside by a court of competent jurisdiction.

12. Licensee, etc. to be given opportunity of being heard.—(1) No action shall be taken under clause 6 or sub-clause (1) or sub-clause 3 of clause 7 or clause 8 or sub-clause (1) of clause 11 against a licensee or exporter or any other person unless he has been given a reasonable opportunity of being heard.

(2) Where any person is aggrieved by any action taken under clause 7 or clause 8 or sub-clause (1) of clause 11 (save in case where the cancellation has been ordered under the provision thereto) he may

prefer an appeal against such action to such authority as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, constitute for the purpose of hearing appeals within thirty days from the date of the communication of the action taken.

13. Declaration as to the value, sort, quality, etc. of exported goods.—On the exportation from any Customs port of any goods, whether liable to duty or not, the owner or exporter of such goods shall, in the shipping bill, or other relevant document state the value, sort, specification quality and description of such goods to the best of his knowledge and belief, and certify that the quality and specification of the goods, as stated in those documents, are in accordance with the terms of the export contract entered into with the buyer or consignee in pursuance of which the goods are being exported and shall subscribe to a declaration to the truth of such statements at the foot of such Shipping Bill or other documents.

14. Prohibition regarding making, signing etc. of any declaration, statement or documents.—(1) No person shall make, sign or use or cause to be made, signed or used any declaration, statement or document in obtaining a licence, or in exporting any goods knowing or having reason to believe that such declaration, statement or document is false in any material particular.

(2) No person shall employ any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence or in exporting any goods.

14A. Powers of revision of the Chief Controller or Additional Chief Controller.—The Chief Controller or Additional Chief Controller may, on his own motion or otherwise, call for and examine the records of any proceedings in which an action to debar under sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 7 or to cancel a licence under sub-clause (1) of clause 11 has been initiated or completed (whatever the result may be) by any officer subordinate to him and against which no appeal has been preferred, for the purpose of satisfying himself as to the correctness, legality or propriety of such action and pass such orders thereon as he may think fit :

Provided that no action shall be varied under this sub-clause so as to prejudicially affect any person unless such person—

- (a) has, within a period of two years from the date of such action, received a notice to show cause why such action shall not be varied; and
- (b) has been given a reasonable opportunity of making representation and, if he so desires, of being heard, in his defence.

15. Savings.—Nothing in this Order shall apply to—

- (a) any goods exported by or under the authority of the Central Government;
- (b) any goods covered by executive instructions issued by the Chief Controller of Imports and Exports;
- (c) any goods other than food-stuffs constituting the stores or equipment of any out-going vessel or conveyance;



- (d) any goods constituting the bona fide personal baggage of any person (including passenger or member of a crew in any out-going vessel or conveyance) going out of India :

Provided that the wild life (dead or alive or part thereof or produce therefrom) specified in part 'A' of Schedule I shall not be treated as constituting such personal baggage;

- (e) any goods exported by post or by air under the conditions specified in Postal Notice issued by the Postal authorities;
- (f) any goods transhipped at a port in India after having been manifested for such transshipment at the time of despatch from a port outside India;
- (g) any goods imported and bonded on arrival in India for re-export to any country outside India, except Nepal and Bhutan;
- (h) any goods in transit through India by post or any goods re-directed by post to a destination outside India except Nepal and Bhutan provided that such goods while in India are always in the custody of the postal authorities;
- (i) any goods imported without a valid import licence and exported in accordance with an order for the export of such goods made by an officer of Customs authorised in this behalf;
- (j) products manufactured in and exported from the respective Free Trade Zones and approved 100 per cent Export Oriented Units except textile items covered by bilateral agreements;
- (k) Export of Blood group Oh (Bombay Phenotype) meant for scientific research or emergency medical treatment, as life saving measure on humanitarian grounds by the Director, National Blood Group Reference Laboratory, Bombay, on the basis of a specific certificate issued by him to this effect in each case;
- (l) Export of samples of lubricating oil additives lube oil, crude oil and other related petroleum products and raw materials used to manufacture Lube Additives by Lubrizols India Ltd., Bombay and Indian Oil Corporation Ltd., Hindustan Petroleum Corporation Ltd., and Bharat Petroleum Corporation Ltd. from their installations in India to Lubrizol's Laboratories in U.S.A. and U.K. for evaluation/testing purposes.

16. Repeal.—The Exports (Control) Order, 1977 published with the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce Under S.O. 254(E) dated 24th March, 1977, as amended from time to time is hereby repealed :

Provided that anything or any action taken including any appointment made or licence issued under any of the provisions of the above Order or Notification, shall be deemed to have been done or taken, under the corresponding provisions of this Order,

## SCHEDULE I

### Commodities Subject to Export Control

#### PART 'A'

#### Items Export of which is not allowed

0019. The exports of all forms of Wild Life (dead or alive or part thereof or produce therefrom) including stuffed animals in whole or part are completely banned except for those mentioned in Part 'B'. In exceptional circumstances where export is for specific, scientific or zoological purposes the prior clearance of the Department of Environment, Forests & Wildlife who will consider each case on merit prior to issue of an export licence, will be necessary.

0027. Manufactured articles made out of :—

- (i) Porcupine Quills
- (ii) Shed Antlers (of Chital and Sambhar)
- (iii) Reptile/Snake skins
- (iv) Mongoose Hair.

0035. Fur of domestic animals.

0043. Beef.

0051. (i) Milk, Powder Milk (Skimmed or full cream), Baby Milk and sterilised liquid milk,

(ii) Pure Milk Ghee.

006x. (i) Banana Suckers (seedling plants).  
(ii) Cashew plants.

0078. Oil Seeds, the following :—

- (i) Castor Seed.
- (ii) Cotton Seed.
- (iii) Linseed.
- (iv) Sunflower Seed.
- (v) Soyabean.
- (vi) Kardi Seed.
- (vii) Mustard/rape seeds.

0086. Coconut and Copra excluding Decorticated Coconut Whole, Coconut Protein, Coconut honey, Coconut flour and Dessicated Coconut.

0094. Seeds, the following :—

- (i) Cashewnut seeds.
- (ii) Green manure seeds, other than dhaincha and Barsoem seeds.
- (iii) Guar seeds (whole).
- (iv) Jute seeds.
- (v) Lemongrass seeds and roots.
- (vi) Mesta seeds.
- (vii) Pepper cuttings or rooted cuttings of pepper.
- (viii) Petrocarpus Santalinus (Red Sanders) Seeds.
- (ix) Rubber Seeds.
- (x) Russagrass seeds and tufts.
- (xi) Santalum album (Sandalwood).
- (xii) (a) Plants and derivatives :—

1. Aconitum deinorrhizum (Stapt-Ranunculaceae).
2. Atropa acuminata (Royle exlindi Solanaceae).
3. Aristolochia Spp. (Aristolochiaceae).
4. Angiopteris spp. (Fern).

5. *Balanophora* spp. (Balanophoraceae).
  6. *Colchicum luteum* (Baker-Liliaceae).
  7. *Commiphora wightii* (Arn-Bhandari Burseraceae).
  8. *Coptis Teeta* (Wall-Ranunculaceae).
  9. *Cyathia gigantea* (Wall-ex Hook-Cyathaceae).
  10. *Dioscorea deltoidea* (Wall ex Kunth-Dioscoreaceae).
  11. *Drosera bawmansi* (Vahl-Droseraceae).
  12. *Drosera indica* (Linn-Droseraceae).
  13. *Gentiana kurroo* (Boyle-Gentianaceae).
  14. *Gloriosa superba* (Liliaceae), other than *Gloriosa superba* (Liliaceae) Seeds grown in the farms.
  15. *Cretum* spp. (Cnetaeae).
  16. *Iphigenia kunth* (Liliaceae).
  17. *Meconopsis betonicifolia* (Franchet-Papaveraceae).
  18. *Mardostachys grandiflora* (D C-Vale-nianaceae).
  19. *Nepenthes khasiana* (Hook-F-Nepen-thaceae).
  20. *Osmunda claytoniana* (Osmundaceae).
  21. *Osmunda regalis* (Osmundaceae).
  22. *Podophyllum hexandrum* (Royle-Podophyllaceae).
  23. *Rauwolfia serpentina* (Linn, Benth ex Kurz Apocynaceae).
  24. *Rhododendron* spp (Ericaceae).
  25. *Rheum emodi* (Wall ex Meism Poly-gonaceae).
- (b) Plant portion other than those covered by Part 'B'.
- (c) Orchids, the following :—
1. Wild orchids
  2. *Aconitum Heterophyllum*
  3. *Berberis aristata*
  4. *Coptis teeta*
  5. *Dioscorea deltoidea*
  6. *Gentiana Kurroo*
  7. *Nardostachys Jatamansi*
  8. *Physoclaina Praelia*
  9. *Podophyllum hexandrum*
  10. *Pnavaletia Serpentina*
- (xiii) Egyptian clover (*Barsoem*). (*Trifolium alexandrinum* seeds).
- (xiv) Lucerne (Alfalfa) *Medicago Sativa* Seeds.
- (xv) Persian clover (*Shafal Trifolium re-supinatum* Seeds).
- (xvi) Saffron seeds or corms (Planting material for Saffron).
- (xvii) *Nux Vomica* Seeds, bark, leaves, root and powder thereof.
- (xviii) Seeds of all oilseeds and pulses.
- (xix) Wheat seeds and paddy seeds (wild variety).
- (xx) Seeds of Ornamental plants (Wild variety).
- (xxi) Kuth (*costa lappa* Syn. *Saussurea lappa* C.B. Cl-Asteraceae) obtained from wild.
0180. Forestry seeds, Foundation and breeder seeds, all varieties/categories.
0116. *Diosgenin* and *Dioscorea* roots.
0124. *Cinchona* seeds and bark.
0132. Gums and resins the following :—  
Oleo-resins ex-*pinus longifolia*.
0140. Parewa and any lac containing living insects.
0159. Tallow, fat and/or oils rendered, unrendered or otherwise, of any animal origin.
0167. Vegetable oils, the following :—
- (i) Coconut oil.
  - (ii) Cottonseed oil.
  - (iii) Groundnut oil.
  - (iv) Linseed oil.
  - (v) Salad oil.
  - (vi) Sunflower oil.
  - (vii) Kardi oil.
  - (viii) Niger seed oil.
  - (ix) Mustard oil/crape seed oil.
  - (x) Sesame Seed Oil.
  - (xi) Corn Oil.
  - (xii) Rice bran oil.
0175. (i) Frogs and parts thereof (including processed frogs).
- (ii) Fresh and frozen silver pomfrets of weight less than 300 grammes.
0183. (i) Beche-de-mer of sizes below 3 inches.
- (ii) Fish meal with less than 50 per cent protein content.
0191. (i) Rice bran, raw and boiled.
- (ii) Paddy (Rice in husk).
0205. (i) Groundnut oil cake (expeller variety).
- (ii) Deoiled groundnut cakes containing more than 1 per cent oil.
0213. Expeller cakes, all varieties, except Cotton Seed Expeller Cakes.
0221. Minerals, ores and concentrates, the following :—
- (i) Radium ores and concentrates.
  - (ii) Uranium ores and concentrates.
  - (iii) Uranium bearing tailings left over from ores after extraction of copper or gold.
  - (iv) Zinc ores.
  - (v) Chrome ore and concentrates, other than those mentioned in Part 'B'.
  - (vi) Zinc concentrates.
  - (vii) Vanadium ores and concentrates.
  - (viii) Vanadium bearing iron ore containing  $V_2O_5$  exceeding 0.2 per cent.

- (ix) Tungsten (Wolfram) ores and concentrates.
- (x) Andalusite
- (xi) Kyanite all grades.
- (xii) All types of Sillimanite (except granular sillimanite).
- (xiii) Calcined magnesite with silica content below 4.5 per cent and dead burnt magnesite.
- (xiv) Chrysotile, Crocidolite and Amosite varieties of asbestos of all sizes and grades.
- (xv) Calcined Bauxite.
- 023x. Charcoal of all types other than Activated Charcoal/Activated Carbon
0248. Creosote Oil (light and heavy) coal tar and mixture containing coal tar.
0256. Metals and their compounds the following :
- (i) Beryllium and its compounds.
- (ii) Lithium and its compounds.
- (iii) Neptunium and its compounds.
- (iv) Plutonium and its compounds.
- (v) Radium and its compounds.
- (vi) Thorium and its compounds.
- (vii) Uranium and its compounds.
- (viii) Zirconium and its compounds.
- (ix) Iridium iridosmine and osmiridium.
- (x) Selenium.
- (xi) Deuterium compounds.
- (xii) Mercury.
0264. (i) Raw placenta, Placental Blood/Plasma.
- (ii) Whole human blood plasma and all products derived from human blood except human Gamma Globulin and Human Serum-Albumin manufactured from Human Placenta and Human Placental Blood.
0272. Chemicals the following :—
1. Acetic Anhydride.
  2. Polythylene (HD).
  3. Cyanuric Chloride.
  4. Ethylene Oxide.
  5. Isopropyl Alcohol.
  6. Synthetic Rubber.
  7. Naphthalene.
  8. Ethylene Glycol.
  9. Di Ethylene Glycol.
  10. Polyethylene Glycol.
  11. Methyl Isobutyl Ketone.
  12. 2-Ethyl Hexanol.
  13. P. V. C. Resin.
  14. Paraffin Wax.
0280. Fertilizers, all types, including super-phosphate, but excluding Micronutrient Fertilizer.
0299. Rock Phosphate.
0302. Geranium Oil.
0310. Raw hides and skins, all types.
0329. (i) Wood and Timber, all species, in log and sawn sizes.
- (ii) Cane.
- (iii) Bamboo.
0337. Paper grade pulp including bamboo pulp excluding hemp pulp.
0345. Waste paper, excluding waste newspaper.
0353. Silk Worms.
0361. Handspun Silk Yarn.
- 037x. Angora Goat Hair or Mohair.
0388. Raw Wool above 36s quality (indigenous).
0396. Real Madras Handkerchiefs (RMHK) made on Powerloom.
- 040x. Wool Waste.
0418. Non-mulberry silk waste, viz. Tassar, Eri and Muga, and Mulberry pierced cocoons.
0426. Metals the following :—
- (i) Copper—  
Electrolytic, fire refined and blister copper in the form of ingots, wire, bars, blooms, slabs, cakes, tiles, bricks, billets, scrap and cathodes.
- (ii) Nickel, unwrought and nickel pellets.
- (iii) Magnesium.
- (iv) Pig lead unwrought.
- (v) Zinc or Spelter unwrought.
- (vi) Tin, unwrought and wrought.
- (vii) Bismuth.
- (viii) Cobalt, unwrought and wrought.
- (ix) Molybdenum.
- (x) Platinum crude and refined unwrought.
- (xi) Tungsten.
- (xii) Vanadium.
- (xiii) Copper ores and concentrates.
- (xiv) Lead ores and concentrates.
- (xv) Pig Iron.

0434. Silver bullion, silver sheets and plates which have not undergone any process of manufacture subsequent to rolling.

0442. Cuttings and fleshing of hides and skins used as raw materials for manufacture of animal glue, gelatine.

0450. Clinker.

0469. Styrene Monomax.

0477. Natural Rubber.

0485. Silver salts, Silver Chemicals and compounds, irrespective of percentage of Silver Content other than the following :—

	Silver content assuming 100 % purity
Silver Nitrate for drugs/photo chemicals	63.5 %
Silver Bromide-Antiseptic Photo Chemicals	57.45 %
Silver Oxide for drugs	93.1 %
Silver for electroplating	80.57 %
Silver Iodide-rain making	49.95 %
Silver Suboxide Ag <sub>4</sub>	96.4 %
Silver Chloride for electroplating	75.26 %
Silver fluoride for drugs	85.03 %
Silver Acetate	64.63 %

and Drug formulations of mild Silver proteins and Silver sulphadiazine conforming to formulations prescribed in recognised pharmacopoeia/official standards.

0493. (i) Beryl including Gem variety of Beryl.

(ii) Rough (uncut and unset) precious stones and rock crystal quartz.

0507. Wattle Bark.

0515. Ferrous Scrap.

0523. Metallurgical residues i.e. drosses; skimming slags, ashes, slims and flus dust other than those of gold and silver) containing 15 per cent or more of free metal content.

0531. Crude rum i.e. rum not matured in wood.

054x. Sulphur (excluding insoluble sulphur).

0558. Butter.

0566. Sugar Cane.

0574. Bone Meal.

0582. Uncrushed bones other than fish bones.

0590. (i) Cattle (ii) Camel.

0604. (i) Pulses, all types including Lentins Grams and Beans and flour made therefrom.

(ii) Processed pulses other than those made out of the pulses imported under the Advance Licensing Scheme/Pass Book or by an approved 100 per cent Export Oriented Unit.

0612. Manufactures and products having silver as an ingredient other than those mentioned in Part 'B' against Sl. No. 2569 and also excluding Engineering, Handicrafts and electrical goods, Costume Jewellery and Silver filigree.

0620. Human Skeletons and parts thereof.

## PART 'B'

Items export of which is allowed on merits or subject to ceiling or other conditions to be specified from time to time.

2011. (i) Horses (Kathiawari, Marwari and Manipuri breeds are not allowed).

(ii) Donkeys.

(iii) Mules.

202x. Live Sheep and Goat (Adult).

2038. Wild Life, the following :

(a) Live animals :

Fruit Bats.

(b) Animal Products (in manufactured form).

1. Venom of Snakes.

2. Ivory products made out of unmanufactured Ivory of African Origin imported under Advance/Imprest/REP Licences/UGL.

(c) Live Birds :

1. Weavers (Baya and Striated).

2. Buntings (Red headed and black headed).

3. Crows House and Jungle).

4. Mynas (common, Bank, black headed, Grey headed and rosy Pastor).

5. Munias (spotted, Red, Black headed, white headed and white throated).

6. Parakeets (Red Breasted rose ringed, Alexandrine Blossom headed and slaty headed).

7. Sparrows, (house and Yellow throated).

8. Pigeons (Bluerock and its domesticated varieties).

(d) Peacock Tail Feathers and articles/handicrafts manufactured therefrom.

(e) Cantharidine Beetles.

2046. (a) Meat of Buffalo (both Male and Female), including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs.

(b) Meat of Indian Sheep-including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs.

(c) Meat of Indian goat-including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs.

2054. (i) Sea Shells.  
(ii) Fish meal with protein content 50 per cent or above.

## 2062. Bones :

- (i) Skeletons, other than human skeletons and parts thereof.  
(ii) Crushed Bones.

## 2070. Onions.

## 2089. Grains and Flour, the following :—

- (i) Rice (Basmati and Non-Basmati).  
(ii) Wheat.  
(iii) Wheat Products, i.e. Rava, Resultant Atta and Wheat Bran.  
(iv) Maida, suji and wholemeal atta viz., wheat flour of not less than 95 per cent extraction  
(v) Barley.  
(vi) Maize.  
(vii) Bajra.  
(viii) Jowar.  
(ix) Ragi.

## 2097. All Seeds of trees, Hedge, Ornamental Plants, Vegetables, Flowers and Gloriosa Superba (Liliaceae).

## 2100. Fodder Crop seeds.

2119. Kuth (*Costus lappa* Syn. *Saussurea lappa*—(C.B.Cl. Asteraceae) cultivated in private lands, and its derivatives except wild variety.

## 2127. Orchids (except the categories covered by Part 'A').

## 2135. Portion of Plants, the followings :—

(as Plants)	Portion of plants to be allowed for export on production of certificate as indicate in the note.
-------------	--

1. <i>Arundinaria Jaunsarensia</i> Gamble	Whole Plant.
2. <i>Bentickia coddapanna</i> Berry	Whole Plant.
3. <i>Dalbergia Lalitolia</i> Roxb	Seeds.
4. <i>Dioscorea prazeri</i> prain et.	Tuber.
5. <i>Gyneria gigantea</i> (Wall ex. Hook) Holtf.	Whole Plant.
6. <i>Lavatera Kashmiriana</i> Gamb	Fruits/Seeds.
7. <i>Mangolia Pterocarpa</i> Roxb	Seeds.
8. <i>Parquilegia grandiflora</i> O.R. Drum and Hutchison.	Roots stocks/Seeds
9. <i>Pinanga Gracilis</i> Bl.	Whole Plant.
10. <i>Pinus gerardiana</i> wall	Seeds.
11. <i>Populus gamblei</i> dode	Cutting seeds.
12. <i>Pterocarpus dalbergioides</i> Roxb	Seeds
13. <i>Rauwolfia canescens</i>	Roots and Seeds.
14. <i>Santalum Album</i>	Seeds.
15.	
(b) Botanical plants.	
1. <i>Cycas beddomei</i> Dyer	Plants
2. <i>Dischidia reflexa</i> R. Br.	Whole

Note :—The above regulations are however relaxed and export permitted by firms on obtaining certificates from the Chief Conservator of Forests or Chief Wild life Warden or the officer authorised by them that the material is of plantation or nursery origin.

## 2143. (i) Hydrogenated Oil (Vanaspati ghee).

## (ii) Castor Oil.

## 2151. Stick-lac and Broodlac.

## 216x. (i) Sugar.

## (ii) Khandsari Sugar.

## 2178. (i) Molasses.

## (ii) Khandsari Molasses.

## 2186. Palmyrah Sugar Candy.

## 2194. Jaggery (Gur).

## 2208. Ethyl Alcohol or rectified spirit of any proof degree, whether denatured or not.

## 2216. De-oiled Rice Bran (Rice Bran Extraction).

## 2224. De-oiled groundnut cake (extractions).

## 2232. (i) Solvent Extracted Cottonseed Cakes (Decorticated and undecorticated)

## (ii) Cotton seed expeller cakes.

## (iii) Wheat Straw (Hay).

## 2240. Flue-cured Virginia Tobacco, Sun-cured Virginia Tobacco, Sun-cured Natu (Country) Tobacco and Sun-cured Jutty Tobacco.

## 2259. Cement.

## 2267. Minerals ores and concentrates, the following :—

## (i) All grades of Bauxite. except Calcined Bauxite.

## (ii) Iron Ore.

## (iii) Raw Magnesite.

## (iv) Magnesite with silica content between 4.5 per cent to 7.5 per cent.

## (v) Manganese Ores (excluding Chemically Processed Manganese Dioxide).

## (vi) Granular Sillimanite.

## (vii) Corundum, other than Saphires and Rubies.



- (viii) Chrome ores and concentrates the following :—
1. Chrome ore lumps with  $\text{Cr}_2\text{O}_3$  not exceeding 41.99 per cent.
  2. Chromite fines and friable ore.
- (ix) Rutile, Synthetic Rutile.
- (x) Thorium Ores and concentrates.
- (xi) Zircon Ores and concentrates including semi-precious variety of zircon stones.
- (xii) Some other minerals, containing the following substances as accessory ingredients including (a) Columbite, (b) Monazite, (c) Samerskite, (d) Uraniferous allamite:
1. Radium ores and concentrates.
  2. Thorium ores and concentrate.
  3. Uranium ores and concentrates.
  4. Uranium bearing tailings left over from ores after extraction of copper or gold.
  5. Zircon ores and concentrates including semi-precious variety of zircon stones.
- (xiii) Laterite.
2275. (i) Processed mica including mica blocks, mica films and splittings, of all grades and varieties, excluding manufactured and fabricated mica.
- (ii) Mica waste (including factory cuttings) and scrap which is obtained by processing mica and which because of size and colour is considered below the specifications of processed mica.
2283. (i) Coal and Coke.
- (ii) Carbonised Cignite Briquettes (LECO).
2291. All Petroleum Products including Lubricants, greases and crude oil.
2305. Chemicals, the following :—
1. Butyl Alcohol.
  2. Mono Chloro Acetic Acid.
  3. Calcium Carbide.
  4. Phenol.
  5. P.V.C. Compound.
  6. Acetic Acid.
  7. Toluene.
  8. Chloroquine phosphate and chloroquine sulphate including formulations manufactured from Chloroquine Phosphate and Chloroquine Sulphate.
  9. Polythelene (LD).
  10. Polythylene (LLDP).
  11. Benzene.
  12. Insoluble Sulphur
2313. Micronutrient fertilizers.
2321. (i) Cinchona mixed alkaloids and cinchona salts after extractions of quinine and quinidine and salts thereof.
- (ii) Quinidine Sulphate.
- (iii) Quinine and Quinine Products.
- 233x. Synthetic Musk.
2348. (i) Exposed cinematographic films (feature film) including sale of Video Rights of Indian Feature Films excluding low budget feature films produced at a cost not exceeding Rs. 20 lakhs.
- (ii) Video taped cinema films (including cassettes)
2356. All categories of semi-processed hides and skins including E.I. tanned and wet blue hides and skins and crust leather.
2364. Wood and Timber other than those mentioned in Sl. No. 32 of Part 'A'.
2372. (i) Raw Silk.
- (ii) Pure Silk Yarn including Silk Noil Yarn.
- (iii) Silk waste, the following :—
- (a) Throwster and hard silk waste.
  - (b) Mulberry Silk Waste including cleaned and degummed Silk Waste.
  - (c) Noils and Noil Droppings.
  - (d) Other varieties of Silk Waste viz. :—
- (i) Boiled Cocoons.
  - (ii) Basin refuse.
  - (iii) Fluff/Floss.
  - (iv) Flimsy Cocoons.
2380. Silk worm seeds and silk worm cocoons including reeling cocoons.
2399. Man-made fibres and yarns, the following :
- (i) Nylon Tyre Yarn|Cord|Fabric.
  - (ii) (a) Rayon Tyre yarn of 600 deniers and above.
  - (b) Rayon Tyre Cord of all deniers.
  - (c) Rayon Tyre Fabric.
  - (iii) Synthetic blended yarn containing 50 per cent or more of Synthetic fibre.
  - (iv) Nylon filament yarn.
  - (v) Polyester Staple Fibres|Yarn (all types)?
  - (vi) Rayon Filament yarn.
  - (vii) Viscose staple fibre.
  - (viii) Viscose staple fibres spun yarn.

- (ix) Acrylic Hand Machine Knitting Yarn.
- (x) Acrylic Yarn/Acrylic fibre.
2402. Raw Wool upto 36s quality (Indigenous) except Angora goat hair or Mohair.
2410. Shoddy/Woolen/Semi-worseted yarn.
2429. Knitwear (Acrylic and mixed).
2437. Raw cotton :—
- (i) Bengal Deshi.
  - (ii) Assam Commillas.
  - (iii) Staple Cotton.
  - (iv) Cotton decoloured by damage due to fire/water.
  - (v) Zoda and Sweeping.
  - (vi) Yellow Pickings.
  - (vii) Others.
2445. Soft cotton waste/Hard cotton waste.
2453. Cotton yarn including tyre cord yarn.
2461. Textiles, the following :—
- (i) Textile Cloth and materials thereof of olive green shade excluding pure silk and artificial silk fabrics and materials thereof (including hosiery).
  - (ii) Tent/tent cloth of olive green shade.
  - (iii) Exports to EEC Member-States of textiles, and Textile products made from cotton wool and man-made fibres (excluding jute silk and flax) under the Indo-EEC Textile Agreement.
  - (iv) Exports to U.S.A. of Textiles made from cotton, wool, and man-made fibres (excluding jute, silk and flax) under the Indo-US Textile Agreement.
  - (v) Export to Austria of certain cotton textile and textile products under Memorandum of Understanding between India and Austria.
  - (vi) Export of certain textile products of cotton, wool and man-made fibres or blends thereof to Sweden under the Indo-Swedish Textile Agreement.
  - (vii) Export of textile products of cotton and man-made fibres to Finland under the Memorandum of Understanding between India and Finland.
  - (viii) Export of Real Madras Handkerchief (RMHK) made on Handloom.
  - (ix) Export of certain textile products of cotton wool and man-made fibres and blends thereof to Canada under the Memorandum of Understanding between India and Canada.
  - (x) Exports to Norway of certain textile and textile products under the Agreement between India and Norway
- 247x. (i) Raw jute, mesta and jute cuttings excluding caddies.
- (ii) Jute Carpet Backing Cloth when exported to countries in North America.
2488. (i) Iron and Steel, other than cast iron pipes and fittings.
- (ii) Rods and bars made out of imported billets.
- (iii) Light Rails (20 Kgs. or less)
2496. Ferro Alloys, except the following :—
- (i) Ferro manganese slag.
  - (ii) Ferro manganese (other than ferro manganese containing less than 0.05 per cent carbon) Silica manganese.
  - (iii) Ferro chrome (other than ferro chrome come less than 0.03 per cent Carbon and nitrogen be Silica chrome.
- 250x Ferro Titanium.
2518. Non-ferrous metals and alloys, un-wrought, not shown elsewhere in this schedule.
2526. Metal scrap, other than ferrous scrap, containing more than 0.50 per cent nickel or 0.20 per cent molybdenum or 1.00 per cent tungsten or 0.20 per cent vanadium or 1.00 per cent Cobalt and Mill Scale Scrap :—
- (i) Nickel Cadmium battery scrap.
  - (ii) Platinum scrap.
  - (iii) Nickel scrap excluding nickel pellets.
  - (iv) Nichrome Scrap.
  - (v) Scrap of other metals.
2534. Metallurgical residues i.e. drosses, skimming slugs, ashes, slimes and fluc dust (other than those of gold and silver).
2542. Railway Wagons, passenger Coaches and Locomotives.
2550. (i) Vintage motor cars and motor cycles and parts and components thereof i.e. motor cars and motor cycles of 1940 and earlier models.
- (ii) Second hand automobile spares, components and accessories.
2569. Silver Jewellery and Silver articles mentioned in Annexure VI and VII of Appendix 22 of Import and Export Policy 1983-91 (Vol. I).
2577. Silver Coins (irrespective of silver content).
- Note :—Commemorative proof set coins (uncirculated quality) issued from time to time will be permitted to be exported only by India Government Mint, Bombay and the Customs authorities will directly allow such exports.

2585. Gold Jewellery and articles.

2593. Aircraft spares, components and accessories excluding for repairs/overhauling on returnable basis by the Airlines both Indian and foreign.

2607. (i) Arms and Ammunition viz. Muzzle loading Weapons and Breach loading or bolt action weapon such as shot-guns, rifles, revolvers, pistols and their ammunitions.

(ii) Fire arms and ammunition other than those mentioned at (i) above and also excluding sharp edged Weapons viz. Khukries, Kirpans, Kris, hunting knives and swords.

(iii) Military Stores.

(iv) Replicas of Antique weapons.

2615. Pyrophyllite.

2623. Gum Rosin.

2631. Iodised Salt (used for human consumption).

264x. Frozen Semen of Animals.

2658. Seaweeds, all types.

2666. Gum Karaya.

2674. Processed pulses made only out of the pulses imported under the Advance Licensing Scheme/Pass Book or by an approved 100 per cent Export Oriented Units.

## SCHEDULE II

### Officers Competent to Grant Licence

1. Chief Controller of Imports & Exports.
2. Additional Chief Controller of Imports & Exports.
3. Export Commissioner.
4. A Joint Chief Controller of Imports & Exports.
5. A Deputy Chief Controller of Imports & Exports.
6. An Assistant Chief Controller of Imports & Exports.
7. A Controller of Imports & Exports.
8. A Collector of Customs.
9. A Superintendent/Assistant Collector of Central Excise.
10. Deputy Development Commissioner (Imports & Exports) Santa Cruz Electronic Export Processing Zone, Bombay.
11. Assistant Development Commissioner (Imports & Exports) Santa Cruz Electronic Export Processing Zone, Bombay.
12. The Deputy Development Commissioner, FALTA Export Processing Zone, Falta, W. Bengal.

13. The Dy. Development Commissioner, Madras Export Processing Zone, Madras.

14. The Joint Development Commissioner/Dy. Development Commissioner, New Okhla Industrial Development Area, Export Processing Zone, Noida, U.P.

15. The Deputy Development Commissioner, Cochin Export Processing Zone, Cochin, Kerala.

## SCHEDULE III

### Open General Licence

#### O.G.L. No. 1

Any person may export by land to any country adjacent to India and having no seaboard of its own, the following articles provided that they are intended for use of consumption in that country.

Any goods included in Schedule I which are consigned under a procedure prescribed for regulating transit traffic.

#### O.G.L. No. 2

Any person may export to any country except to a country to which export is prohibited by any law for the time being in force, the following bonafide samples, namely :—

S. No.	Items	Item No. in Schedule I
--------	-------	------------------------

Bonafide samples the following :—

1. Samples of Iron Ore not exceeding 30 metric tonnes at a time provided the consignments are covered by a certificate by the following competent authority to the effect that the quantity of Iron Ore (including fines) is required for experimental purposes and that the quantity involved is the minimum required for the particular purpose

B. 2267(ii)

- (i) Divisional Manager (Sales) MMTC, New Delhi for any area other than Goa.
- (ii) Iron ore Adviser, Goa for Goan Iron Ore.
- (iii) Dy. Secretary, Department of Mines, New Delhi, for consignments not covered under items (i) and (ii) above.

Samples of Iron Ore concentrates prepared by beneficiation and/or concentration of low grade ore containing 40 per cent or less Fe, produced by Kudremukh Iron Ore Co. Ltd. not exceeding 30 metric tonnes at a time can be exported by Kudremukh Iron Ore Co. Ltd., itself without obtaining a certificate from MMTC.

2. Samples of wooden furniture by a registered exporter of wooden furniture within an annual value limit of Rs. 25,000/- for each exporter but not exceeding Rs. 10,000/- in respect of individual consignment in each licensing period.

3. Samples of Text Books and other books within an annual value limit of Rs. 10,000/- per exporter but not exceeding Rs. 3,000/- in respect of individual consignment in each licensing period.

4. Samples of drug formulations upto 10 per cent of the f.o.b. value of export consignment when exported alongwith the consignment itself. Such samples packings should prominently bear the marking "Physician's sample--Not for sale".

Samples of drug formulations which are physician's 'sample' and not for sale and not accompanying the export consignment within an annual value limit of Rs. 1 lakh per exporter but not exceeding Rs. 25,000/- in each consignment in each licensing period.

5. Samples of agro-chemicals within an annual value limit of Rs. 2 lakhs per exporter but not exceeding Rs. 50,000/- in each consignment in each licensing period.

6. Samples of items of Part 'A' of Schedule 1 to the Exports (Control) Order and items allowed for export "On Merits", and items covered by List II of ceiling items shall not be allowed for export.

Samples of canalised items allowed for export by the canalising agencies only within an annual value limit of Rs. 25,000/- but each consignment not exceeding Rs. 5,000/- in each licensing period.

7. In respect of samples of other controlled items allowed within an annual value limit upto Rs. 25,000/-

per exporter but not exceeding Rs. 5,000/- in each consignment in each licensing period.

8. Samples of de-controlled items allowed within an annual value limit upto Rs. 50,000/- per exporter but not exceeding Rs. 10,000/- in each consignment in each licensing period.

9. If any exporter is desirous of exporting beyond the permissible limits as stipulated above, then he should approach the Export Licensing Committee in the Office of CCI&E, New Delhi.

The respective Export Promotion Councils/Commodity Boards will be the agency to monitor the annual ceilings/value limits for export of samples. However, in respect of Export Houses and Trading Houses the agency to monitor the export of samples shall be the FIFEO.

10. Intending exporters desirous of exporting bona-fide samples free of cost will have to apply to the respective Councils/Commodity Board, who after verifying the genuineness of the case, will issue Samples Export Card to the exporter(s) prescribing therein the details of the exporter, name of sample(s) to be exporter, value of annual limit and destination where the samples are to be exported. These Sample Export Cards will be presented by the exporter(s) to the Customs authority and export will be allowed through specified ports. The Customs Authorities at the specified Port will make an endorsement in the Samples Export Card at the time of permitting export and ensure that the annual ceiling/value limit is not exceeded.

Balance quantities/value limits of samples remaining at the end of the licensing period will not be permitted to be carried over to the next licensing period.

The validity period of Sample Export Card will be one licensing year only.

## OGL No.

Items Export of which is allowed under Open General Licence subject to prescribed conditions.

S. No.	Item	S. No. as in Part 'B' of Schedule I	Condition(s) to be fulfilled/documents to be produced
1	2	3	4
1.	Fruit Bats	B.2038 (a)	Export allowed on production of Legal Procurement Certificate.
2.	Ivory Products made out of unmanufactured Ivory of African Origin imported under Advance/Imprest/REP Licences/OGL	B. 2038(b)(2)	Export allowed from faour major ports viz. Bombay, Calcutta, Madras and Delhi on the basis of re-export certificate issued by Management Authority (Director, Wildlife Preservation) Department of Forests and Wild Life, Government of India under CITES after exporters obtain Legal procurement certificate.
3.	Fish Meal	B.2054 (ii)	Only material with protein content 50 per cent or above is permitted.
4.	Basmati Rice	B. 2089 (i)	Export allowed subject to minimum export price announced from time to time by the Central Government.
5.	All Seeds of Trees, Hedge, Ornamental Plants, Vegetables' Flowers and Glorisa Superba (Liliaceae)	B.2097	Export allowed subject to production of certificate from the Seeds Certification Agency/Concerned Department of the State Government that the Seeds to be exported are not of wild variety and are not foundation and Breeder Seeds.
6.	Orchids (except the categories covered by Part 'A' against S. No. 0094(C))	B.2127	Only orchids raised through culture technique and contained in Flasks are allowed subject to pre-shipment inspection and CITES Certificate.
7.	Portion of Plants the following	B.2135 }	Export allowed subject to to production of :— (i) Certificate from the Chief Conservator of Forest or Chief Wild Life Warden or the Officer authorised by them that the material is of plantation or nursery origin raised through culture technique: (ii) Pre-shipment Inspection Certificate: and (iii) CITES Certificate.
(a) Plants	Portion of Plants to be allowed for export on production of certificate as indicated		
1.	Arundinaria Jaunsarensia Gamble	Whole Plant	
2.	Bentickia coddapanna Berry	Whole Plant	
3.	Dalbergia Lalitola Roxb	Seeds	
4.	Dioscorea prazeri prain ct.	Tuber	
5.	Gyathasa gagantea (Wall ei. Hook) Holtf.	Whole Plant	
6.	Lavatera Kashmiriana Gamb	Fruits/Seeds	
7.	Mangolia Pterocarpa Roxb	Seeds	
8.	Paraquilegia grandiflora O.R. Drum and Hutchison	Roots & Stocks/Seeds	
9.	Pinanga Gracilis Bl.	Whole Plant	
10.	Pinus gerardiana wall	Seeds	
11.	Populus gamblei dode	Cuttings/Seeds	
12.	Pterocarpus dalbergioides Roxb.	Seeds	
13.	Rauwolfia canescens	Roots & Seeds	
14.	Santalum Album	Seeds	
(b) Botanical Plants			
1.	Cyces Beddemel Dyer	Plants	
2.	Dischidia reflexa R. Br.	Whole	
8.	Castor Oil.	B.2143(II)	Export allowed to General Currency Areas only.



1	2	3	4
9.	Flue-cured Virginia Tobacco, Suncured Virginia Tobacco, Sun-cured (Natu country) Tobacco and Sun-cured Jutty Tobacco	B.2240	<p>1. In respect of Tobacco for which Minimum Export Prices have been announced by the Central Government from time to time, certificate from Tobacco Board to the effect that the prices are not lower than the minimum export price.</p> <p>2. In respect of tobacco for which no minimum export prices have been specified, certificate from Tobacco Board that Tobacco being exported is not subject to minimum export price restriction.</p>
10.	Laterite	B.2267 (xiii)	<p>Export allowed on production of a Certificate from the Public Analyst showing that the material for export contains:—</p> <p>(a) Alumina not in excess of 40%</p> <p>(b) Nickel not in excess of 0.7%</p> <p>(c) Cobalt not in excess of 300 PPM</p> <p>(d) Vanadium not in excess of 1215 PPM</p> <p>(e) Gallium not in excess of 139 PPM</p> <p>(f) Titanium not in excess of 7.4%</p>
11.	Carbonised lignite briquettes (LECO)	B.2283(ii)	Export allowed only from Calcutta, Madras and Shillong against allocations made by the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.
12.	Chloroquine phosphate and chloroquine sulphate formulations manufactured out of imported bulk drug chloroquine phosphate and Chloroquine Sulphate.	B.2305 (8)	Export allowed against imported of bulk chloroquine phosphate and Chloroquine Sulphate under advance licence to the extent of f.o.b. value indicated in the licence.
13.	Micronutrient Fertilizers.	B.2313	Export allowed subject to registration with chemical Basic chemical, Pharmaceuticals and cosmetics E.P. Council.
14.	(i) Cinchona mixed alkaloid, and cinchona salts after extraction of quinine and quinidine and salts thereof as certified by Directorate of Cinchona of Tamil Nadu/West Bengal.	B.2321 (i)	Export allowed against the certificate from Directorate of Cinchona of Tamil Nadu/West Bengal as the case may be
	(ii) Quinidine Sulphate	B.2321(ii)	Export allowed on production of a No Objection Certificate from Drugs Controller (India) New Delhi.
	(iii) Quinine and quinine products	B.2321(iii)	Export allowed on the recommendation of Directorate of Cinchona of Tamil Nadu/West Bengal as the case may be.
15.	Wood and timber, viz. the following :—		
	(i) Sandalwood in the form of dust, chips flakes and powder	B.2364	Export will be allowed only on production Certificate of Origin issued by the Chief Conservator of Forests, Andhra Pradesh or the Chief Conservator of Forests, Tamil Nadu, as the case may be as regard procurement of timber.
	(ii) Red Sanders Wood in the form of Chips		
16.	Processed Timber as defined in the Import and Export Policy (Vol. II) Section IV.	B.2364	Export of Processed Timber, all species, except Red Sanders wood will be allowed to all permissible destinations. Processed Timber made out of Red Sanders wood will be allowed on production of Certificate of Origin issued by Conservator of Forests, Tamil Nadu, as the case may be as regards procurement of the timber.
	Man-made fibres and yarns the following :—		
(i)	(a) Rayon tyre yarn of 600 deniers and above	B.2399 (ii)(a)	Information in respect of export effected will be furnished by the exporters within fifteen days after shipment to be concerned Council.
	(b) Rayon tyre cord of all deniers	B.2399(ii)(b)	
	(c) Rayon tyre fabric	B.2399(ii)(c)	

1	2	3	4
	(ii) Synthetic blended yarn containing 50% or more synthetic fibre.	B.2399 (iii)	Export will be allowed subject to minimum export price of Rs. 19/- per kg. f.o.b. Information in respect of export effected will be furnished by the exporters within fifteen days after shipment to the concerned Council.
	(iii) Acrylic Hand/Machine knitting yarn	B.2399 (ix)	Information in respect of export effected will be furnished by the exporters within fifteen days after shipment to the concerned Council.
18.	Knitwear (Acrylic and mixed)	B.2429	Export will be allowed against contracts registered with Wool and Woollen Export Promotion Council or its Regional Offices and subject to the MEP fixed by the Council.
19.	Raw Cotton	B.2437 (i)	Export will be allowed against registration and allocation certificate regarding quality/quantity of the item intended for export issued by Textile Commissioner.
	(i) Bengal Deshi		
	(ii) Assam Comillas.	} B. 2437 (ii) to (vii)	Export will be allowed against registration and allocation certification regarding quality/quantity of the item intended for export issued by the Textile Commissioner.
	(iii) Staple Cotton		
	(iv) Cotton discoloured by damages due to fire/water		
	(v) Zoda and Sweepings.		
	(vi) Yellow pickings.		
	(vii) Others		
20.	Soft Cotton Waste /Hard Cotton Waste	B.2445	Against registration and allocation certificate regarding quality/quantity of the item intended for export issued by Textile Commissioner.
21.	Cotton Yarn including tyre cord yarn	B.2453	Against Certification made by the Cotton Text Export Promotion Council, Bombay, in respect of contracts registered with them for counts upto 60s. For counts above 60s, export will be allowed freely in accordance with the Trade Notice issued by the Cotton Textile Export Promotion Council, Bombay and exporters will furnish statistics of exports to the Council within 15 days from the date of shipment.
22.	Export to EEC Member States of Textiles and Textiles products made from cotton, wool and man-made fibres (excluding jute, silk and flax) under the Indo-EEIC Textile Agreement.	B.2461 (iii)	<p>(i) Against allocation of export entitlement</p> <p>(a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-ups (excluding Woollen fabrics and made.</p> <p>(b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding Woollen knitwear);</p> <p>(c) The wool and woollen Export Promotion Council for woollen fabrics, made-up and woollen knitwear (but excluding woollen garments).</p> <p>Necessary Certification on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for all fabrics and made-up (including woollen fabrics and made and in respect of all —garments and (including woollen garments and knitwear), such certification will made by Apparels Export Promotion .</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement, the Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p>

1

2

3

4

23. Export to USA of Textiles made from cotton wool and man-made fibres (excluding jute, silk and flax) the Indo-US Textile Agreement. B.2461 (iv)

(iii) Handloom fabrics of the cottage industry, hand-made cottage industry products made of such handloom fabrics (other than garments) and traditional folklore Handicraft textile producers (India Items) are not subject to quantitative restraint. In the case of Export of all handloom fabrics made ups and an Inspection Endorsement by the Textile Committee in Part-2 of the Combination Form will be required. In respect of 'India Items' appropriate certificate by the office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.

(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments as indicated on the sample of garment authenticated by the Textiles Committee.

(i) Against allocation of export entitlement by :

- (a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-ups (excluding woollen fabrics and made-ups).
- (b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding woollen knitwear);
- (c) The Wool and Woollen Export Promotion Council for Woollen fabrics, made-ups and Woollen knitwear (but excluding woollen garments).

Necessary certification on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for Woollen fabrics and made-ups and in respect of woollen knitwear such certification will be made by the Apparels Export Promotion Council

(ii) In the matter of allocation of export entitlement, Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.

(iii) Handloom fabrics of the cottage industry, hand made cottage industry products made of such fabrics (other than garments) and traditional folklore handicraft textile products of the cottage industry (India items) are not subject to quantitative restraints. In so far as exports of all handloom fabrics/made-ups are concerned, an "Inspection Endorsement" by the Textiles Committee in Part-2 of the Combination Form will be required. In respect of 'India Items' appropriate certificate issued by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.

(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments as indicated on the sample of garments authenticated by the Textiles Committee.

1	2	3	4
24.	Export to Austria of certain cotton textiles and textile products under the Memorandum of Understanding between India and Austria.	B.2461 (v)	<p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-ups; and</p> <p>(b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear; by certificate on shipping bill.</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement the Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p> <p>(iii) Handloom Fabrics of the cottage industry, hand made Textiles products made of such handloom fabrics and traditional folklore handicrafts textile products (known as 'India Item') are not subject to quantitative restraint. For export of handloom products an 'Inspection Endorsement' by the Textiles Committee in Part-2 of the Combination Form will be required in respect of 'India Items' appropriate Certificate issued by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement handloom origin, industrial/institutional agreements as indicated on the sample of agreement authenticated by the Textiles Committee.</p>
25.	Export of certain Textile Products of cotton, wool and man-made fibre or blends thereof to Sweden under Indo-Swedish Textile Agreement.	B.2461 (vi)	<p>(i) against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Cotton Textile Export Promotion Council for made-ups (excluding woollen made-ups);</p> <p>(b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding woollen knitwear); and</p> <p>(c) The wool and woollens Export Promotion Council for Woollen made-ups and woollen knitwear.</p> <p>Necessary Certification on shipping bills will however, be made by the Cotton Textile Export Promotion Council for all made-ups (including Woollen made-ups) and by the Apparels export Promotion Council for all garments and knitwear (including woollen garments and knitwear).</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement, the export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p> <p>(iii) Export of Handloom Fabrics and made-ups would require by the Textile Committee in part-2 of the Combination Form. For export of 'India Items' appropriate certificate issued by the office of Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments as indicated on the sample of garments authenticated by the Textiles Committee.</p>

1	2	3	4
26.	Export of Textile Products of cotton and man-made fibre to Finland under the Memorandum of Understanding between India and Finland.	B. 2461 (vii)	<p>(i) Against allocation of export entitlement by :            (a) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear; and            (b) The Wool &amp; Woollen Export Promotion Council for Woollen Stocks.</p> <p>Necessary certification on shipping bills will however, be made by the Apparels Export Promotion Council for all garments or knitwear products.</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement the Export Promotion Council will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p> <p>(iii) Handloom fabrics of the cottage industry, hand-made cottage industry products made of such handloom fabrics (other than blouses and shirts and traditional folklore handicraft textile products) 'India Items' are not subject to quantitative restraints. Export of Handloom fabrics, made-ups and garment for which specific level is given would require an Inspection Endorsement by the Textiles Committee in Part-2 of the Combination Form. In the case of textile product falling under "India Items" a certificate by the Officer of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India' Items shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments, as indicated on the sample or garments authenticated by the Textile Committee.</p>
27.	Export of Real Madras Handkerchief (RMHK) made on Handloom	B. 2461 (viii)	<p>Export of Real Madras Handkerchief (RMHK) made on Handloom to Cotonou, Loma and Acera (Ghana) will be allowed both under Irrevocable Letter of Credit terms as well as CAD (Cash Against Documents) terms subject to declaration by the exporter that the Real Madras Handkerchief exported are made on Handloom. Export of RMHK on CAD terms will be allowed only to the extent the exporter produces a cover from the Export Credit and Guarantee Corporation Limited (ECGC).</p>
28.	Export of certain Textile Products of Cotton, Wool and man-made Fibres and blends thereof to Canada under the Memorandum of Understanding between India and Canada.	B. 2461 (ix)	<p>(i) Against allocation of export entitlement by :            (a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-ups (excluding woollen fabrics and made-ups);            (b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding woollen knitwear); and            (c) The Wool and Woollen Export Promotion Council for Woollen fabrics and made-ups, and woollen knitwear (including woollen garments).</p> <p>Necessary certification on shipping bills will however, be made by the Cotton Textile Export Promotion Council for all fabrics and made-ups (including woollen fabrics and made-ups), and in respect of garments and knitwear such certification will be made by the Apparels Export Promotion Council.</p>



1	2	3	4
			<p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement the Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p> <p>(iii) Handloom fabrics of the cottage industry, hand-made clothing and textile products made of handloom fabrics except category tailored collared shirt and traditional folklore handicraft textile products (known as 'India Items') are not subject to quantitative restraints. In the case of export of all handloom fabrics and trained items except Category-I, 'Inspection Endorsement' by the Textiles Committee on Part-2 of the Combination Form will be required. In respect of the 'India Items' appropriate Certificate issued by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, Industrial/ Institutional garments as indicated on the sample of garments authenticated by the Textile Committee.</p>
29.	Export to Norway of certain textile and textile products under the Agreement between India and Norway.	B. 2461 (X)	<p>(i) Against allocation of export entitlement by:</p> <p>(a) Cotton Textiles Export Promotion Council for made-ups.</p> <p>(b) The Apparel Export Promotion Council for garments and knitwear excluding woollen knitwear.</p> <p>(c) Wool and Woollen Export Promotion Council for woollen fabrics made-ups and woollen knitwear (but excluding woollen garments).</p> <p>Necessary certification on the shipping bills will be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for made-ups and in respect of garment and woollen knitwear such certification will be made by the Apparel Export Promotion Council.</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement, Export Promotion Council will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p> <p>(iii) Handloom fabrics of cottage industry hand made cottage industry products made of such fabrics (other than garments items subject to specific limit) for traditional folklore handicraft textile products of the cottage industry (India Items) are not subject to quantitative restraint. In so far as export of handloom made-ups and handloom garments items, which are given an extra level are concerned, an inspection endorsement by the Textile Committee in Part-2 of the Combination Form will be required. In respect of India Items appropriate certificate issued by the office of Development Commissioner Handicrafts will be required.</p>

1	2	3	4
			(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments as indicated on the samples of garments authenticated by the Textile Committee.
30.	(i) Rods and bars made out of imported billets.	B. 2488 (ii)	Export of bars and rods made out of billets imported under Duty Exemption Scheme against advance licence to the extent of f.o.b. value indicated in the licence.
	(ii) Light Rails (20 Kgs or less)	B. 2488 (iii)	Export allowed only as a part of composite export contract for complete rail net work.
31.	Metal Scrap, other than ferrous scrap containing more than 0.50 per cent nickel or 0.20 per cent of molybdenum or 1.00 per cent tungsten or 0.20 per cent vanadium or 1.00 per cent cobalt and Mill Scale Scrap.		
	(i) Nickel cadmium battery scrap	B. 2526(i)	Certificate from a Recognised Public Analyst to the effect that the scrap conforms to the specifications given under this item.
	(ii) Platinum scrap	B. 2526 (ii)	Export allowed on the condition that after refining and reshaping full 100% less refining losses of the scrap is imported back into India.
	(iii) Nickel Scrap, excluding nickel pellets	B. 2526 (iii)	Export allowed subject to the condition that after refining and re-shaping full 100 per cent less refining losses of the scrap is imported back into India in the form of nickel plate anodes.
32.	Metallurgical residues i.e. drosses, skimming slages, ashes, slags and flue dust (other than those of gold and silver) containing less than 15 per cent of free metal content.		B. 2434
			Export allowed for outright sale/for treatment abroad and re-import of the refined metal subject to the following conditions:—
			(a) the free metal content in the metallurgical residues is less than 15 per cent by weight and the same is in a finely dispersed condition;
			(b) A complete analytical report is furnished by the exporter along with other shipping documents from one of the recognised Analyst certifying that the free metal content in the metallurgical residues is less than 15 per cent by weight and the same is in a finely dispersed condition and 100 per cent chemical composition of the residue. A sieve of 1/6" mesh is to be used by the analyst and the fact to be mentioned in the analytical report;
			(c) No foreign exchange will be allowed for re-import of the refined and/or for re-import of the refining and other charges etc and that such charges will be paid by the exporters in the shape of metallurgical residues refined metal. Import of the refined metal will be subject to issue of a C.C.P. by the concerned port licensing authority.
			(d) The foreign exchange earned from the sale of metallurgical residues/refined metal abroad will be brought back into India,
			(e) The exporters will observe the G.R. Form procedure of the Reserve Bank of India and with the third copy of the G.R. Form, a certificate of final weight preliminary and final report of assay, together with the final settlement of accounts from the refiner should also be forwarded by the exporter to the Reserve Bank of India.

1	2	3	4
33.	Silver jewellery and Silver articles mentioned in Annexure-VI and VII of Appendix 22 of Import and Export Policy, 1988-91 (Vol. I).	B. 2569	Export allowed as per the guidelines contained in Annexure VI and VII of Appendix 22 of Import and Export Policy 1988-91 (Volume I).
34.	Gold Jewellery and Articles.	B. 2585	Export of Gold Jewellery and articles under the scheme for export of Gold Jewellery against Gold supplied by the foreign buyer and Gold Jewellery Export Promotion and Replenishment Scheme will be allowed as provided in Annexure I and Annexure III respectively to Appendix 22 of Import and Export Policy 1988-91 vol. (I) Export against Duty Exemption Scheme will be governed by the provisions of Appendix 19 of Vol. I of Import and Export Policy.
35.	Arms and ammunitions viz. Muzzle Loading weapons and Breach loading or bolt action weapons such as shot guns, rifles, revolvers pistol and their ammunition.	B. 2607 (i)	Export will be allowed on production of:— (a) Appropriate licence under the Arms Act and rules; (b) A certificate from the Archaeological Survey of India to the effect that fire arms to be exported are not antiques and/or rare specimens. (This certificate will not be necessary for ammunition and for fire arms manufactured in India after 1956. In such cases a certificate to the effect that fire-arms have been manufactured in India after 1956 shall be obtained by the exporter from local licensing authority). (c) The fire arms to be exported bear appropriate marks of identification and proof test.
36.	Replicas of Antique Weapons	B. 2607 (iv)	Export allowed on production of a certificate from the District Magistrate, Collector or Commissioner of Police, in the prescribed form, under whose jurisdiction the Replicas have been manufactured to the effect that Replicas have been rendered innocuous as fire arms and correspond to the sample inspected by the Director of Inspection, Department of Defence Production. A copy of the application will be sent simultaneously to (i) The District Magistrate and (ii) The Superintendent of Police in whose jurisdiction the intended place of export is situated.
37.	Processed pulses made only out of the pulses imported under the Advance Licensing Scheme/Pass Book or by an approved 100 % Export Oriented Unit.	B. 2674	Export allowed under the Advance Licensing Scheme/Pass Book or by an approved 100 % Export Oriented Unit, to the extent of the f.o.b. value indicated in the Licence.  Note: Export of Pulses processed out of indigenous pulses shall not be permitted.

## O.G.L. NO. 4

The Canalising Agency mentioned in Column 4 may export to any country except to a country to which export is prohibited by any law for the time being in force, the following goods namely:—

Sl. No.	Goods	S. No. in Part B of Schedule I	Canalising Agency mentioned
1	2	3	4
1.	Onions	B. 2070	National Agricultural Co-operative Marketing Federation of India Limited. (NAFED), Sapna Building 54, East of Kailash, New Delhi.
2.	Gum Karaya	B. 2666	
3.	Sugar	B. 216x(i)	State Trading Corporation of India Ltd. Chandralok 36, Janpath, New Delhi.
4.	Caster Oil (when exported to Rupee Payment Areas only)	B. 2143 (ii)	
5.	(i) Molasses	B. 2178(i)	
	(ii) Khandasari Molasses	B. 2178 (ii)	
6.	Ethyl Alcohol or rectified Spirit of any proof degree, whether denatured or not.	B. 2208(i)	
7.	Benzene	B. 2305(ii)	
8.	Jute Carpet backing cloth when exported to countries in North America. Note Export to other destinations allowed on de-controlled basis	B. 247x(ii)	
9.	Cement	B. 2279	(i) State Trading Corporation (ii) Engineering Projects (India) Ltd., (only for use in construction projects undertaken by them in Foreign Countries), Kailash, 26, K.G. Marg, New Delhi.
10.	Polythylene (I.D)	B. 2305 (9)	Indian Petrochemical Corporation Limited. P.O. Petrochemicals, Distt. Baroda (Gujarat).
11.	All Petroleum Products including lubricants greases and crude oil.	B. 2291	Indian Oil Corporation Ltd., Indian Oil Bhavan, Janpath, New Delhi.
12.	Iron and Steel other than cast iron pipes and fittings the following:— Steel produced by integrated steel plants, alloy steel plants, Mini Steel Plants, Secondary producers and re-rollers.	B. 2132(i)	Steel Authority of India Limited, Ispat Bhavan, Lodhi Road, New Delhi.
13.	Railway Wagons, passenger coaches and locomotives.	B. 2542	Projects & Equipments Corporation of India Ltd., Hansalaya 15, Barakhamba Road, New Delhi
14.	Minerals ores and concentrates the following:— (i) Rutile, Synthetic Rutile (ii) Thorium Ores and concentrates (iii) Some other minerals, containing the following substances as accessory ingredients including (a) Columbite, (b) Monazite, (c) Samarskite. Uraniferous allamite:— 1. Radium ores and concentrates 2. Thorium ores and concentrates 3. Uranium ores and concentrates 4. Uranium bearing tailings left over from ores after extraction of copper or gold 5. Zircon ores and concentrates including semi precious variety of Zircon Stones	B. 2267	Indian Rare Earths Limited, Pil Court, 6th Floor, 111, Maharishi Karve Road, Bombay-400020 Kerala Minerals and Metals Limited, Quilon-691061 (Kerala)

1	2	3	4
(iv)	Granular Sillimanite produced by Indian Rare Earths Limited and Kerala Minerals and Metals Limited	B. 2267	Indian Rare Earths Ltd., Pij Court, 6th Floor, 111, Maharshi Karve Road, Bombay-400020.  Kerala Minerals and Metals Limited, Quilon-691001 (Kerala)
(v)	Iron Ore except Iron Ore of Goa Origin when exported to Japan, South Korea, Taiwan and West Europe		
(vi)	Bimetal Ore (Black Iron Ore) with manganese contents from 3 % upto 10 % of Goa Origin.		Minerals and Metals Trading Corporation, Express Building, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi.
(vii)	Chrome Ores and concentrates the following:-		
	(i) Chrome Ore lumps with Cr 203 not exceeding 41.99 %		
	(ii) Chromite fines and friable ore		
(viii)	Manganese Ores excluding Chemically processed Manganese Di-Oxide.		
(ix)	All grades of Bauxite except Calcined Bauxite		
15.	Coal and Coke	B. 2283(i)	Mineral and Metals Trading Corporation.
16.	(i) Iron Ore Concentrates prepared by Beneficiation and/or concentration of low grade ore containing 40 % or less of Fe produced by Kudermukh Iron Ore Company Ltd.	B. 2267	Kudermukh Iron Ore Company Limited (KICCL), II, Kora Mangla Road, Bangalore.
	(ii) Iron Ore Pellets manufactured by Kudermukh Iron Ore Company Ltd., (KICCL) out of concentrates produced by it.	B. 2267	Kudermukh Iron Ore Company Limited (KICCL), II, Kora Mangla Road, Bangalore.
17.	(i) Processed Mica including Mica Blocks, Mica Films and Splittings of all grades and varieties excluding manufactured and fabricated mica.	B. 2275(i)	Mica Trading Corporation of India Ltd., 137, Patliputra Colony Patna.
	(ii) Mica Waste (including factory cuttings) and scrap which is obtained by processing mica and which because of size and colour is considered below the specification of processed mica.	B. 2275(ii)	
18.	(i) Exposed cinematographic films (feature films) including sale of video rights of Indian feature films excluding low budget feature films (produced at a cost not exceeding Rs. 20 lakhs)	B. 2348(i)	National Film Development Corporation 1st Floor, 13-16, Regent Chambers, Nariman Point, Bombay-400021.
	(ii) Video taped cinema films (including Cassettes)	B. 2348 (ii)	
19.	Raw Jute, Mesta and Jute cuttings excluding caddies	B. 247x(i)	Jute Corporation of India, 1, Shakespears Sarani Calcutta.

[File No. 19 (1)/87—E-II]

R.L. MISRA, Chief Controller of Imports &amp; Exports